



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 189]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 2009/ज्येष्ठ 1, 1931

No. 189]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 2009/JYAISTHA 1, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विस्कस फिलामेंट यार्न के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मध्यावधि समीक्षा।

सं. 15/8/2007-डीजीएडी.—यतः वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का आकलन और वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विस्कस फिलामेंट यार्न (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए दिनांक 4 अप्रैल, 2006 की अधिसूचना सं. 14/23/2004-डीजीएडी के तहत अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और यतः संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 24 मई, 2006 की सी.शु. अधिसूचना सं. 45/2006-सी.शु. के तहत लगाया गया था।

2. विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को उक्त अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार भारतीय मैनमेड फाइबर उद्योग एसोसिएशन (ए एम एफ आई आई) से एक विधिवत प्रमाणित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने तथा उसे जारी रखने का अनुरोध किया गया था क्योंकि संबद्ध देश से पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि परिस्थितियों में काफी परिवर्तन आया है जिससे लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा आवश्यक हो गई है। इसके लिए दिए गए कारण थे—उत्पादन लागत में अत्यधिक वृद्धि, गहन पाटन, अमरीकी डॉलर की तुलना में रुपये में मजबूती तथा कशीदाकारी के धागे को विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया जाना। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के दावों की जांच करने के लिए पाटनरोधी जांच की मध्यावधि समीक्षा शुरू करते हुए दिनांक 23 मई, 2008 की सार्वजनिक सूचना सं. 15/8/2007-डी जी ए डी जारी की जो भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित हुई थी।

प्रक्रिया

3. इस कार्यवाही में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:-

(i) समीक्षा की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को संगत सूचना मांगने के लिए जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावली भेजी:

(ii) नियमों के अनुसार संगत सूचना की मांग करते हुए भारत में घरेलू उद्योग को भी सूचना भेजी गई थी।

(iii) नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6 (2) के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।

(iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना हेतु संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा भारत में संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी।

(v) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त टिप्स सॉफ्टवेयर सांख्यिकी के अतिरिक्त वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) से अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें। किसी दोहराव के बिना टिप्स सॉफ्टवेयर सांख्यिकी तथा डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सूचना पर वर्तमान जांच में विश्वास किया गया है।

(vi) व्यापक परिचालन के लिए जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ फिक्की, सी आई आई तथा एसोचैम को भी भेजी गई थीं।

(vii) संबद्ध देश के तीन निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्राधिकारी को प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

(viii) किसी अन्य हितवक्ष पक्षकार ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना पर अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(ix) घरेलू उद्योग के रूप में भारतीय मैनमेड फाइबर उद्योग एसोसिएशन (ए एम एफ आई आई) ने सूचना/आँकड़े प्रस्तुत किए। क्षति की जांच करने, उत्पादन की ईटतम लागत, भारत में संबद्ध वस्तु के निर्माण एवं बिक्री की लागत निकालने तथा यह सुनिश्चित करने कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया।

(x) प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों के विचार मौखिक रूप से जानने के लिए दिनांक 24.12.2008 को सार्वजनिक सुनवाई की थी जिसमें हितवद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया

था 4 हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए लिखित अभ्यावेदनों को इस जाँच परिणाम में शामिल किया गया है।

(xi) प्राधिकारी ने दिनांक 23 फरवरी, 2009 को एक प्रकटन विवरण जारी किया।

(xii) वर्तमान जांच की जांच अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 की है। तथापि क्षति विश्लेषण में वर्ष 2004-05, 2005-06 तथा 2006-07 शामिल होंगे।

(xiii) **** से इस जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है।

विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

4. मूल जांच में शामिल उत्पाद 150 डेनियर्स (और $\pm 4\%$ अनुमत परिवर्तन) तक का विस्कस रेयन फिलामेंट यार्न है जिसमें 67 डेसीटेक्स से कम का मोनो फिलामेंट यार्न शामिल है जिसे विस्कस फिलामेंट यार्न या वीएफवाई, रेयन फिलामेंट यार्न, आर्ट सिल्क यार्न, सेल्यूलोज यार्न या रेयन यार्न कहा जाता है और जिसमें डायड यार्न, फ्लैट यार्न, माइक्रो फिलामेंट माइक्रो यार्न, स्विस् किड यार्न जैसे 100% विस्कस यार्न से निर्मित सभी यार्न शामिल हैं (किन्तु जिसमें कशीदाकारी यार्न, वीएफवाई का द्विगणित/बहुगणित प्लाई यार्न आदि तब तक शामिल नहीं है जब तक कि उसे इस पैराग्राफ में विशिष्ट रूप से शामिल न किया जाए (जिसे अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना में संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। तथापि संबद्ध वस्तु में सिलाई धागा, फर यार्न, अग्निरोधी यार्न, अभियांत्रिकी यार्न, कशीदाकारी यार्न एवं वात विन्यासित यार्न शामिल नहीं है।

5. विस्कस यार्न रेयन फिलामेंट यार्न एक रिजेनरेटेड सेल्यूलोजिक यार्न है जिसका उत्पादन प्राकृतिक नवीकरणीय संसाधनों अर्थात् लकड़ी की लुग्दी से किया जाता है। वीएफवाई के विभिन्न प्रकारों का उत्पादन एक समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपकरण से किया जाता है और ये समान सामान्य प्रयोजन को सिद्ध करते हैं। यद्यपि उत्पाद को प्रौद्योगिकी (सीएसवाई/पीएसवाई), डेनियर, चमक, रंग, भनाई, दोहराई के अनुसार प्रकारों में समूहबद्ध किया गया है तथापि इन विभिन्न प्रकारों में वीएफवाई की सामान्य मूलभूत विशेषताएं निहित हैं क्योंकि वीएफवाई के विभिन्न प्रकारों के बीच अत्यंत प्रतिस्थापनीयता है। संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क उपशीर्ष 54033100, 54033200, 54033300, 54034110, 54034120, 54034130, 54034140, 54034150, 54034160, 54034170, 54034180 और 54034190 के अंतर्गत वर्गीकृत है यद्यपि उनके बारे में अन्य अध्याय शीर्ष (यथा अध्याय 55) के भीतर भी आयात किए जाने की सूचना दी गई है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तु के दायरे में कशीदाकारी विस्कस फिलामेंट यार्न को शामिल करने का अनुरोध किया है।

6. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभ्यावेदन

6.1 घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अभ्यावेदन दिया है:-

(क) उत्पादन लागत में अत्यधिक वृद्धि

विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में शामिल प्रमुख कच्ची सामग्री पल्प, कॉस्टिक सोडा तथा सल्फर हैं। इस अवधि में पल्प, कॉस्टिक सोडा तथा सल्फ्यूरिक एसिड की कीमतों में अत्यधिक

वृद्धि हुई है। पूर्व एवं वर्तमान जांच के दौरान इन निविदियों की कीमतों के संबंध में संगत सूचना तथा उत्पादन लागत पर उसके प्रभाव को याचिका के साथ प्रस्तुत किया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा उसी का संदर्भ लिया गया है और उस पर विश्वास किया गया है।

यह स्पष्ट है कि इन निविदियों की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप जांच अवधि के बाद उत्पादन लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

ऊपर उल्लिखित कच्ची सामग्री के अतिरिक्त भाप कोयला एक और निविदि है जो भाप के सृजन के लिए अपेक्षित होती है। पूर्व जांच अवधि के बाद भाप कोयले की कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पिछले वीं के दौरान भाप कोयले की कीमतों को दर्शाने वाली सूचना प्राधिकारी को प्रस्तुत कर दी गई है।

यह स्पष्ट है कि इन कई कारकों के कारण लागत में वृद्धि का संचयी परिणाम उत्पादन लागत में वृद्धि के रूप में हुआ है और बेंचमार्क में उपयुक्त वृद्धि किए जाने की आवश्यकता है।

(ख) चीन से गहन पाटन

यद्यपि पिछले चार वीं के दौरान और विशीं रूप से 2007-08 में उत्पादन लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है, तथापि चीन की निर्यात कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है। परिणामस्वरूप चीन के उत्पादकों ने अब भी अपने उत्पादों का पाटित कीमतों पर निर्यात जारी रखा है।

(ग) बेहतर डेनियर के यार्न का आयात

मूल जांच के समय विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के भीतर अपरिष्कृत डेनियर श्रेणी के आयात किए जा रहे थे। अब सुपर फाइन डेनियर श्रेणी के अत्यधिक आयात हो रहे हैं।

(घ) विभिन्न डेनियरों के लिए अलग-अलग बेंचमार्क के निर्धारण की आवश्यकता

विभिन्न डेनियरों के लिए एक ही बेंचमार्क के निर्धारण की दृष्टि से निर्यातकों के लिए बेंचमार्क कीमत पर डेनियर के यार्न का निर्यात करना तथा घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाना संभव है। विभिन्न डेनियरों की उत्पादन लागत में काफी अंतर होता है। वस्तुतः घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद को तीन समूहों में वर्गीकृत किया था:- (क) 120 डेनियर से कम; (ख) 120 डेनियर; (ग) 120 डेनियर से अधिक। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने तीनों समूहों के लिए एक ही बेंचमार्क निर्धारित किया। यदि प्राधिकारी ने तीनों श्रेणियों के लिए अथवा अलग-अलग डेनियरों के लिए अलग-अलग बेंचमार्क निर्धारित किए होते तो इससे बेहतर डेनियर वाले यार्नों के आयात से होने वाली क्षति से बचाव (कुछ सीमा तक) होता। इस तथ्य के कारण कि तीनों श्रेणियों के भीतर

भी विभिन्न डेनियरों की लागतों एवं कीमतों में काफी अंतर होता है, पाटन एवं क्षति जारी रहे हैं। अतः डेनियर - वार अलग-अलग बेंचमार्क के निर्धारण हेतु पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा अपेक्षित है। एक डेनियर से दूसरे डेनियर की उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत में अत्यधिक अंतर को देखते हुए बेंचमार्क में संशोधन करके अलग-अलग डेनियरों के लिए अलग-अलग बेंचमार्क निर्धारित किया जाना अपेक्षित है, जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सिल्क फैब्रिक के मामले में किया गया है।

जैसा कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से देखा जा सकता है, डेनियर-वार उत्पादकता में काफी अंतर होता है। 150 डेनियर वाले 1 मी.टन वी एफ वाई के उत्पादन हेतु अपेक्षित उत्पादन घंटे 100 घंटे मानते हुए नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध आधार पर उत्पादकता दर्शाई गई है:-

| डेनियर | प्रति मी.टन उत्पादन घंटे |
|--------|--------------------------|
| 40 | 387 |
| 50 | 340 |
| 60 | 317 |
| 75 | 212 |
| 100 | 147 |
| 120 | 130 |
| 130 | 118 |
| 150 | 100 |
| 180 | 114 |
| 225 | 82 |
| 250 | 71 |
| 300 | 66 |
| 350 | 70 |
| 450 | 42 |
| 500 | 43 |
| 600 | 41 |
| 700 | 41 |

उपर्युक्त से यह स्पष्ट रूप से निर्धारित हो जाता है कि विभिन्न प्रकार के वी एफ वाई के लिए एक ही बेंचमार्क अनुपयुक्त है।

(ड.) कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई को शामिल किया जाना

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आधार पर कि घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई का उत्पादन एवं बिक्री नहीं की जाती है, कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई के आयात पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की थी। तथापि यह स्पष्ट है कि वस्तुतः प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत के चरण में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई को शामिल किए जाने की पुष्टि की थी, परन्तु अंतिम जाँच परिणाम के चरण में उन्होंने इस आधार पर कि घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु की पेशकश नहीं की जाती है, उपायों के दायरे से उसे बाहर कर दिया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ऐसा कोई निर्णय नहीं दिया गया है कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न विस्कस फिलामेंट यार्न नहीं है। अतः, कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न को प्रस्तावित उपायों के दायरे में शामिल करने का तात्पर्य उत्पाद के दायरे को बढ़ाना नहीं होगा। विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही अर्थात् विस्कस फिलामेंट यार्न बना रहेगा।

यह देखा जाएगा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह नहीं माना है कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न विस्कस फिलामेंट यार्न की किस्म नहीं है। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर सहमत हैं कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न विस्कस फिलामेंट यार्न की एक किस्म है। विस्कस फिलामेंट यार्न के विचाराधीन उत्पाद होने के कारण यह स्पष्ट है कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न को विचाराधीन उत्पाद तथा प्रस्तावित उपायों के दायरे के भीतर होना चाहिए। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आधार पर कि घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की पेशकश नहीं की जाती है, कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न को प्रस्तावित उपायों के दायरे से बाहर रखा। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी इस सामान्य कारण से कि जब घरेलू उद्योग द्वारा इस प्रकार के यार्न की पेशकश बाजार में नहीं की जाती है तो पाटन, वह पाटन जिससे होने वाली क्षति पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के लिए मूल अपेक्षा होती है, के विरुद्ध किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है; घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान करने पर सहमत नहीं है। इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी का तर्काधार सुरक्षा की आवश्यकता पर नहीं अपितु इस आधार पर है कि कशीदाकारी यार्न तथा वी एफ वाई समान वस्तु नहीं हैं। मूल जाँच अवधि के पश्चात् घरेलू उद्योग ने कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की पेशकश शुरू कर दी है। घरेलू उद्योग के संघटकों द्वारा विक्रीत कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न के बीजक याचिका के साथ गोपनीय आधार पर संलग्न किए गए थे। वर्तमान क्षति अवधि के दौरान कशीदाकारी यार्न की बिक्री को दर्शाने वाला विवरण, जो पहले भी प्रस्तुत किया गया था, इन अभ्यावेदनों के साथ संलग्न है। यह देखा जाएगा कि न केवल घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई की पेशकश की जा रही है बल्कि उसे ऐसी बिक्री पर क्षति भी हो रही है। चूँकि घरेलू उद्योग द्वारा अब कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की पेशकश की जा रही है, आवेदकों ने निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी अब यह निर्णय दें कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न के आयात पर भी पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए।

स्पष्टीकरण हेतु यह उल्लेख किया गया है कि कशीदाकारी यार्न और कुछ नहीं बल्कि कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई है।

6.2 कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न और विस्कस फिलामेंट यार्न की तुलना

(i) भौतिक एवं तकनीकी गुणधर्म

विभिन्न प्रकार के वी एफ वाई का उत्पादन समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपकरण से किया जाता है और समान सामान्य प्रयोजन को पूरा करते हैं। विभिन्न प्रकार के वी एफ वाई काफी हद तक प्रतिस्थापनीय होते हैं। यद्यपि उत्पाद को प्रौद्योगिकी (सी एस वाई/पी एस वाई), डेनियर, लस्टर, रंग, ट्विस्टिंग, डबलिंग के अनुसार किस्मों में समूहबद्ध किया जाता है, इन विशिष्ट गुणधर्मों से केवल वी एफ वाई के विभिन्न किस्मों के बीच अंतर हो पाता है। तथापि, विभिन्न किस्मों में वी एफ वाई का एक ही बुनियादी गुणधर्म होता है।

विस्कस फिलामेंट यार्न के व्यापक अनुप्रयोजन हैं। वी एफ वाई के विभिन्न रूपों का उत्पादन एवं बिक्री की जाती है जिसमें ट्विस्टेड यार्न, डबल ट्विस्टेड यार्न, रंजित यार्न, डोप रंजित यार्न, फ्लैट यार्न, माइक्रोफिलामेंट माइक्रो यार्न, डबल मल्टीप्लाई यार्न, कशीदाकारी यार्न, फर यार्न,

इंजीनियर्ड यार्न शामिल हैं। मूल्यवर्धन से उत्पाद के गुणधर्मों में विशेष अंतर नहीं आता है। अनिवार्य उत्पाद गुणधर्म सामान्य विस्कस फिलामेंट यार्न के समान बने रहते हैं।

वी एफ वाई तथा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई के भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म एक ही हैं।

(ii) विनिर्माण प्रक्रिया:

कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु विस्कस फिलामेंट यार्न के विनिर्माण की प्रक्रिया फ्लो चार्ट के रूप में संलग्न है।

6.3 उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र एवं मशीनें:

कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न के उत्पादन हेतु कोई विशेष संयंत्र एवं मशीनें अपेक्षित नहीं होते हैं जो घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध न हों। पूर्व में किए गए उल्लेख की भांति घरेलू उद्योग द्वारा डबलड यार्न, ट्विस्टेड यार्न तथा रंजित यार्न का उत्पादन किया जा रहा है। अतः घरेलू उद्योग के पास उत्पादन प्रौद्योगिकी, संयंत्र एवं मशीनें उपलब्ध हैं और उसे "डबलड, ट्विस्टेड एवं रंजित यार्न" के उत्पादन में शामिल विनिर्माण प्रक्रिया की जानकारी है। इसके अतिरिक्त, कशीदाकारी यार्न हेतु वी एफ वाई के उत्पादन के लिए वी एफ वाई के उत्पादन के पश्चात केवल वृद्धिकारी उत्पादन अपेक्षित होता है। वी एफ वाई के उत्पादन में बुनियादी उत्पादन प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया एवं पी एंड एम समान होते हैं।

(i) कीमत निर्धारण:

कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न का कीमत निर्धारण विस्कस फिलामेंट यार्न के कीमत निर्धारण से सीधे जुड़ा/आश्रित होता है। जब विस्कस फिलामेंट यार्न की कीमत में वृद्धि होती है तो कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की कीमत भी बढ़ जाती है। जब विस्कस फिलामेंट यार्न की कीमत में गिरावट आती है तो कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की कीमत में भी गिरावट आती है। इस संबंध में यह नोट करना संगत होगा कि केवल कीमत में अंतर का तात्पर्य यह नहीं होता है कि दोनों दो अलग-अलग उत्पाद हैं। हम (क) विभिन्न डेनियर्स वाले नायलॉन फिलामेंट यार्न, (ख) विभिन्न व्यासों के बॉल बियरिंग्स, (ग) अलग-अलग अनुप्रयोजनों के लिए अभिप्रेत विभिन्न माइक्रॉन की पॉलिस्टर फिल्म, (घ) अलग-अलग अनुप्रयोजनों के लिए अभिप्रेत बी ओ पी पी फिल्म, जहाँ विभिन्न किस्मों में कीमतों में अंतर 1:10 के अनुपात तक हो सकता है, का संदर्भ लेते और उस पर विश्वास करते हैं। यहाँ पॉलिस्टर फिल्म तथा बी ओ पी पी फिल्म के मामले में प्राधिकारी द्वारा जाँच के दायरे में धातवीकृत पॉलिस्टर तथा बी ओ पी पी फिल्म को शामिल किए जाने, जहाँ धातवीकरण का कार्य बाहरी पक्षों द्वारा किया जाता है और धातवीकृत एवं सामान्य फिल्मों के बीच कीमत का अंतर 50 प्रतिशत से अधिक तक हो सकता है, का संदर्भ लेना भी उपयोगी होगा। निदर्शन के जरिए याचिकाकर्ता एक स्वर्ण मुद्रिका तथा हीरा जड़ित स्वर्ण मुद्रिका की कीमतों में अंतर को दर्शाना चाहते हैं। यहाँ कीमत का अंतर 1:1000 हो सकता है। तथापि, यह नहीं कहा जा सकता है कि दोनों समान वस्तुएँ नहीं हैं। दोनों किस्मों के बीच कीमत का अंतर केवल तुलना का विषय है। ऐसा मूल जांच के समय नहीं किया जा सकता था क्योंकि उस समय घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई की पेशकश नहीं की जा रही थी। तथापि, चूँकि

अब घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई की पेशकश की जा रही है अतः प्राधिकारी डेनियर आधार पर कीमत की तुलना कर सकते हैं ।

(ii) कार्य एवं प्रयोग:

कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न तथा विस्कस फिलामेंट यार्न के कार्य एवं प्रयोग समान हैं । केवल अंतिम अनुप्रयोग में अंतर होता है । जैसा कि अंतिम जाँच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा नोट किया गया है, वी एफ वाई का मुख्य उपयोग वस्त्र निर्माण में होता है । कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न तथा विस्कस फिलामेंट यार्न एक ही कार्य करते हैं । याचिकाकर्ता निवेदन करते हैं कि यह कहना भ्रामक होगा कि वी एफ वाई तथा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई के कार्य एवं प्रयोग भिन्न-भिन्न हैं । अंतर केवल अंतिम अनुप्रयोग में होता है । तथापि, अंतिम अनुप्रयोग में अंतर से दोनों उत्पाद अलग-अलग उत्पाद नहीं बन जाते हैं । इसे पेटफिल्म की विभिन्न किस्मों जिन्हें भारत, ई सी, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका आदि के निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समान उत्पाद माना गया है, के अंतिम अनुप्रयोगों में अंतर के निदर्शन के जरिए स्थापित किया जा सकता है ।

(iii) उपर्युक्त दृष्टि से याचिकाकर्ता निवेदन करते हैं कि -

क. कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई को पाटनरोधी शुल्कों के दायरे में शामिल किया जाना अपेक्षित है,

ख. चीन के उत्पादकों द्वारा आयात में गहनता आई है,

ग. चूँकि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किसी नई पृष्ठभूमि पर आधारित नहीं है, अतः चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के हकदार नहीं हैं ।

घ. सीमाशुल्क आँकड़ों से निर्यात कीमत का सत्यापन किया जाना चाहिए ।

ड. अग्रिम लाइसेंस आयातों की जांच की जानी चाहिए ।

च. घरेलू उद्योग को एक बार फिर क्षति हो रही है ।

छ. वर्तमान पाटनरोधी शुल्कों में वृद्धि हेतु समीक्षा अपेक्षित है ।

ज. विचाराधीन उत्पाद की अलग-अलग किस्मों के लिए अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण अपेक्षित है ।

झ. विस्तृत जाँच के लंबित रहने तक निर्दिष्ट प्राधिकारी बेचमार्क में वृद्धि करते हुए अंतरिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश पर विचार कर सकते हैं । विकल्पतः यदि अंतरिम शुल्क पर विचार नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम शीघ्र प्रस्तुत करने पर विचार कर सकते हैं ।

7. निर्यातकों के अभ्यावेदन:

7.1 मै0 विबिन हीस्ट फाइबर लि0 कॉर्पो ने निम्नानुसार निवेदन किया है:-

(i) घरेलू उद्योग का यह तर्क कि कशीदाकारी यार्न को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर लाया जा सकता है, तभी माना जा सकता है जब यह सिद्ध किया जाए कि कशीदाकारी यार्न वी एफ वाई के समान वस्तु है। जैसा कि पूर्व में निवेदन किया गया है, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 6 अप्रैल 2006 के अपने जाँच परिणामों में विशौ रूप से यह माना है कि घरेलू उद्योग द्वारा ऐसे किसी उत्पाद की पेशकश नहीं की जाती है। इसके अतिरिक्त वी एफ वाई एवं कशीदाकारी यार्न एक-दूसरे के साथ प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। अतः केवल इस आधार पर ही घरेलू उद्योग का तर्क समाप्त हो जाता है।

(ii) कशीदाकारी यार्न का विनिर्माण विस्कस फिलामेंट यार्न की ट्विस्टिंग, डबलिंग एवं रंगाई द्वारा किया जाता है। यह सत्य है कि घरेलू उद्योग द्वारा अलग-अलग यार्नों की ट्विस्टिंग, डबलिंग एवं रंगाई का कार्य किया जाता है परन्तु वह कशीदाकारी यार्न के विनिर्माण हेतु कार्य एक साथ नहीं करता है।

(iii) विचाराधीन उत्पाद के दायरे में कशीदाकारी यार्न को शामिल करने के लिए घरेलू उद्योग/आवेदक की ओर से दिया गया आधार यह है कि घरेलू उद्योग/आवेदक ने अब अपने ग्राहकों को कशीदाकारी यार्न की पेशकश शुरू कर दी है। तथापि, आवेदक यह सिद्ध करने में असफल रहा है कि वह पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और वह पाटनरोधी शुल्क के दायरे के भीतर कशीदाकारी यार्न को शामिल करने के लिए वर्तमान याचिका प्रस्तुत करने की स्थिति में है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान घरेलू उद्योग की ओर से दायर याचिका का भारतीय बाजार में कशीदाकारी यार्न के किसी अन्य विनिर्माता द्वारा समर्थन नहीं किया गया है।

(iv) घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी यार्न की आपूर्ति तब भी सतत नहीं रही है जब भारतीय बाजार में मांग में लगातार वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग बाजार की मांग को पूरा करने में असमर्थ रहा है जिससे चीन से आयात की आवश्यकता उत्पन्न हुई है।

(क) अमरीकी डॉलर का मूल्यहासः वस्तुतः पिछले छह माह में भारतीय रुपये की तुलना में अमरीकी डॉलर में मजबूती आई है। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी की दृष्टि से भविष्य में रुपये की तुलना में अमरीकी डॉलर में गिरावट अपेक्षित नहीं है। रुपये की तुलना में अमरीकी डॉलर के मूल्य का ग्राफिक प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया है।

(ख) बेहतर डेनियर के यार्न के आयातः हीस्ट ने जाँच अवधि के दौरान बेहतर डेनियर के यार्न की वाणिज्यिक मात्रा का निर्यात नहीं किया है। हीस्ट का यह विश्वास है कि चीन के किसी अन्य निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान बेहतर डेनियर वाले यार्न की वाणिज्यिक मात्रा का निर्यात किया है। घरेलू उद्योग ने भी अपने विरोध के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य/आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं।

(ग) अलग-अलग डेनियर के लिए अलग-अलग बेंचमार्कः हमारे दृष्टिकोण के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना यह निवेदन है कि यदि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि चीन जन गण से संबंधित वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा जाए तो हीस्ट द्वारा अलग-अलग डेनियर के लिए अलग-अलग शुल्क को तरजीह दी जाएगी।

(घ) उत्पादन लागत में वृद्धि: मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत हेतु याचिका दायर करते समय गौण अवधि के लिए कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि हुई थी। तथापि, उसके बाद कच्ची सामग्री की कीमत में अंतर्राष्ट्रीय रूप से गिरावट आई और कीमते उस स्तर पर पहुँच गई जहाँ अंतिम जाँच परिणाम के समय अर्थात् अप्रैल 2006 में थी। उदाहरणार्थ अप्रैल 2007 में बुड पल्प की कीमत लगभग 700 अम. डा. प्रति मी. टन थी जो माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने दिनांक 4 अप्रैल 2006 के अंतिम जाँच परिणामों के जरिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश के समय की कीमतों के समतुल्य थी। उक्त के समर्थन में चार्ट प्रस्तुत किए गए हैं।

7.2 मै0 एच एम ई आई ग्रेड कं0 लि0 ने निम्नानुसार किया है:

आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किया गया मामला निम्नानुसार है जिसका सार उनकी अपनी भाँ में प्रस्तुत किया गया है।

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आधार पर कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की है कि घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई का उत्पादन एवं बिक्री नहीं की जा रही थी (संदर्भ: घरेलू उद्योग क लिखित अभ्यावेदन के पृष्ठ 3 का (ड.))

(ख) अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी इस सामान्य कारण से कि जब घरेलू उद्योग द्वारा इस प्रकार के यार्न की पेशकश बाजार में नहीं की जाती है तो पाटन, वह पाटन जिससे होने वाली क्षति पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के लिए मूल अपेक्षा होती है, के विरुद्ध किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है; घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान करने पर सहमत नहीं हैं।

(ग) मूल जाँच अवधि के पश्चात घरेलू उद्योग ने कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु यार्न की पेशकश शुरू कर दी है।

(घ) किसी उत्पाद के उत्पादन हेतु यदि कोई अतिरिक्त उत्पादन चरण अपेक्षित हो जिसका परिणाम अधिक उत्पादन लागत एवं बिक्री कीमत के रूप में होता है तो वह कोई ऐसा घटक नहीं है जो शुल्कों के उत्पाद दायरे से उस उत्पाद प्रकार को बाहर रखे जाने को स्वतः उचित सिद्ध कर सके।

(ड.) यह भी नोट किया जाए कि ऐसे प्रसंस्करण में प्रयुक्त संयंत्र एवं मशीनों के लिए भारी निवेश अपेक्षित नहीं होता है और वस्तुतः देश में गैर-मान्यताप्राप्त क्षेत्र में व्यक्तियों द्वारा यह प्रसंस्करण पहले से ही किया जा रहा है।

(च) ऐसा मूल जाँच के समय इस कारण से नहीं किया जा सकता था कि घरेलू उद्योग द्वारा कशीदाकारी अनुप्रयोजनों हेतु वी एफ वाई की पेशकश नहीं की जा रही थी।

(छ) अंतर केवल अंतिम अनुप्रयोजन में है।

7.3 मै0 जिनजियांग केमिकल्स फाइबर कं0 लि0, चीन जन गण ने निम्नानुसार निवेदन किया है:-

(क) परिभाषा के अनुसार किसी समीक्षा का तात्पर्य पहले से लागू शुल्क की समीक्षा होता है। यदि किसी उत्पाद विशेष पर कोई शुल्क नहीं लगाया गया है तो उसे समीक्षा दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है। इस मामले में डी जी ए डी ने कशीदाकारी यार्न को स्पंट रूम से पाटनरोधी शुल्कों के दायरे से 'बाहर' रखा है। ऐसे छोड़े गए उत्पादों की समीक्षा में शुल्कों के दायरे में नहीं लाया जाएगा।

(ख) मूल जाँच के समय डी जी ए डी ने इस आधार पर "कशीदाकारी" यार्न को छोड़ दिया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उसकी पेशकश नहीं की जा रही थी। इस समीक्षा आवेदन में घरेलू उद्योग ने कहा है कि उन्होंने कशीदाकारी यार्न की पेशकश करना शुरू कर दिया है और इसीलिए उस पर शुल्क लगाया जाए।

(ग) यदि वी एफ वाई के घरेलू उत्पादकों ने अब कशीदाकारी यार्न का उत्पादन शुरू कर दिया है तो उनके द्वारा यह उल्लेख किया जाना आवश्यक है कि कशीदाकारी यार्न के अन्य उत्पादक कौन हैं और कि क्या आवेदक भारत में कशीदाकारी यार्न के सभी विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में है। हम यह मान लेते हैं कि मूल जाँच के समय भी आवेदक कशीदाकारी यार्न का विनिर्माण कर रहे थे। उस समय उनसे अपनी स्थिति का निर्धारण करने के लिए भारत में कशीदाकारी यार्न के अन्य विनिर्माताओं के ब्यौरे प्रस्तुत करने को कहा जाता। ऐसी किसी अपेक्षा को केवल इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता कि यह एक समीक्षा है। यदि आवेदकों ने अब कशीदाकारी यार्न का विनिर्माण शुरू कर दिया है और वे चाहते हैं कि उस पर पाटनरोधी शुल्क लागू हो तो उन्हें भारत में कशीदाकारी यार्न के सभी उत्पादकों के ब्यौरे प्रस्तुत करने चाहिए। यदि नहीं तो आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

7.4 लघु उत्पादक/प्रयोक्ता

मै0 सलेम जिला आर्ट सिल्क व्यापारी एसोसिएशन ने निम्नानुसार निवेदन किया है:-

(क) हम पाटनरोधी शुल्क के दायरे में विस्कस फिलामेंट यार्न को शामिल किए जाने के घरेलू फिलामेंट यार्न उद्योग से सहमत हैं।

(ख) यह प्रत्यक्ष है कि जाँच अवधि एवं उसके पश्चात की अवधि में अर्द्ध-परिकृत तथा परिकृत दोनों रूमों में विस्कस कशीदाकारी धागे के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(ग) एक ओर घरेलू परिदृश्य में वी एफ वाई की कमी (दो इकाइयों के बंद होने की दृष्टि से) जाँच अवधि। उसके पश्चात की अवधि के दौरान अपनी कीमतें बढ़ाने में मौजूदा घरेलू यार्न उत्पादकों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई है।

(घ) दूसरी ओर, चीन से आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क तथा उसके बाद प्रस्तावित समीक्षा से आयात मंहगे हो रहे हैं और प्रयोक्ता उद्योग पर उसका भार बढ़ रहा है।

(ङ) उसके ऊपर से अर्द्ध परिकृत/परिकृत दोनों रूमों में विस्कस कशीदाकारी यार्न के आयातों से प्रयोक्ता उद्योग के मार्जिन कम होते हुए ऋणात्मक हो रहे हैं।

(च) इस अनिश्चित स्थिति को देखते हुए सलेम, दिल्ली तथा सूरत क्षेत्र में कई प्रयोक्ता उद्योग इकाइयाँ बंद हो गई हैं ।

(छ) अतः इस दृष्टिकोण पर कोई दो राय नहीं है कि अर्द्ध-परिकृत/परिकृत दोनों रूपों में चीन से विस्कस फिलामेंट यार्न के आयातों को पाटनरोधी शुल्क के दायरे में लाए जाने पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि उनसे गैर-मान्यता प्राप्त क्षेत्र में "लघु एवं मंजोले उद्यम" प्रभावित हो रहे हैं ।

(ज) एसोसिएशन ने कशीदाकारी यार्न के आयातों की मात्रा 100 मी.टन (2005-06) से बंद कर वी 2007-08 में 3600 मी.टन हो जाने के संबंध में अंकड़े प्रस्तुत किए हैं । उन्होंने लगभग एक हजार घरेलू इकाइयाँ जिनमें लगभग 50 हजार श्रमिक/पारिवारिक सदस्य कार्यरत हैं, द्वारा हस्ताक्षरित याचिकाओं की प्रति भी उपलब्ध कराई है । उन्होंने दावा किया है कि देश भर में इस उद्योग में कार्यरत 5 लाख से अधिक व्यक्ति चीन द्वारा कशीदाकारी यार्न के पाटन से प्रभावित हुए हैं ।

8. प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभ्यावेदन

8.1 घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग इस बात से सहमत नहीं है कि कशीदाकारी यार्न को शामिल किए जाने का तात्पर्य उत्पाद के दायरे में वृद्धि करना होगा । इस उत्पाद को छोड़ दिए जाने पर भारतीय उत्पादकों के सामने इस श्रेणी में निरंतर क्षति उठाने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं रहेगा ।

8.2 मै0 यिबिन हीस्ट फाइबर लि0 कॉर्पो0, चीन जन गण

आवेदक इस बात का विरोध या उसे साबित करने में असफल रहे हैं कि वे पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं और वे पाटनरोधी शुल्क के दायरे में कशीदाकारी यार्न को शामिल किए जाने हेतु वर्तमान आवेदन प्रस्तुत करने की स्थिति रखते हैं । इसके अतिरिक्त मौजूदा घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत याचिका का भारतीय बाजार में कशीदाकारी यार्न के किसी अन्य विनिर्माता द्वारा समर्थन नहीं किया गया है । वी एफ वाई तथा कशीदाकारी यार्न एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किए जा सकते तथा वे आपस में प्रतिस्थापनीय नहीं हैं ।

8.3 मै एच एम ई आई ग्रेड कं0 लि0, चीन जन गण

चूँकि कशीदाकारी यार्न को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है अतः हमें प्रकटन विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है ।

8.4 मै0 जिनजियांग केमिकल फाइबर कं0 लि0, चीन जन गण

कोई टिप्पणी नहीं क्योंकि कशीदाकारी यार्न को बाहर रखने के उनके तर्क को स्वीकार कर लिया गया है ।

9. प्राधिकारी द्वारा जांच

विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अभ्यावेदनों के आलोक में मुद्दे की जाँच की गई है। परिभाषित विचाराधीन उत्पाद में मूल जांच के दायरे में कशीदाकारी यार्न शामिल है तथापि उसे विशेष रूप से छोड़ दिया गया था क्योंकि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किसी समान वस्तु की पेशकश नहीं की जा रही थी। अंतिम जांच परिणामों की सिफारिशों के अनुसार अन्य विशिष्टीकृत यार्नों के साथ कशीदाकारी यार्न को विशेष रूप से छोड़ दिया गया था और उन पर किसी शुल्क की सिफारिश नहीं की गई थी। घरेलू उद्योग का यह निवेदन कि कशीदाकारी यार्न वी एफ वाई का अगला चरण है और उसमें केवल ट्विस्टिंग एवं डबलिंग ही शामिल होता है, सही है। तथापि चूँकि मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) के दायरे से कशीदाकारी यार्न किस्म को विशिष्ट रूप से छोड़ दिया गया था अतः प्राधिकारी कशीदाकारी यार्न को पी यू सी के रूप में शामिल न किए जाने की पुष्टि करते हैं और इस संबंध में पी यू सी को दिनांक 4 अप्रैल, 2006 के अंतिम जांच परिणामों में यथापरिभाषित तक सीमित रखते हैं।

10. घरेलू उद्योग की स्थिति एवं कार्यक्षेत्र

मूल जांच में भारतीय मैनमेड फाइबर उद्योग एसोसिएशन (ए एम एफ आई आई) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी। वर्तमान जांच में भी भारतीय मैनमेड फाइबर उद्योग एसोसिएशन (ए एम एफ आई आई) ने याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं। जांच में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे और निर्धारण के प्रतिकूल कोई तथ्य प्रदर्शित नहीं हुआ है। नियमों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मानते हैं कि भारतीय मैनमेड फाइबर उद्योग एसोसिएशन (ए एम एफ आई आई) नियमों के अर्थ के भीतर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग हैं।

11. पाटन निर्धारण: सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

प्रकटन विवरण के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

11.1 घरेलू उद्योग

(क) यह निवेदन किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के प्रत्येक डेनियर के लिए बेंचमार्क की सिफारिश की जाए।

(ख) बेंचमार्क शुल्क का रूप अमेरिकी डॉलर तथा भारतीय रुपये के संयोजन में होना चाहिए। जब विनिमय दर जांच अवधि के औसत से अधिक हो तो शुल्क अमेरिकी डॉलर के रूप में होना चाहिए। जब विनिमय दर जांच अवधि के औसत से कम हो तो शुल्क भारतीय रुपये के रूप में होना चाहिए। यह चीन से मेटकोक के मामले में सेस्टेट के निर्णय में शामिल तार्किकता के अनुरूप है।

11.2 मैसर्स यिबिन हीस्ट फाइबर लि0 कॉर्पोरेशन, चीन जन गण.

प्राधिकारी ने गलत ढंग से हीस्ट के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी दावे को अस्वीकार कर दिया है। लगाए गए आरोप के अनुसार कोई पाटन नहीं हुआ है, वस्तुतः संबद्ध वस्तु

की बिक्री एशिया पैसिफिक क्षेत्र में विद्यमान निर्यात कीमतों की रेंज के संगत बाजार आधारित कीमतों पर की जाती है। पाटन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है और हीस्ट ने हमेशा भारत को वी एफ वाई का निर्यात लाभ हेतु सामान्य मूल्य पर उससे अधिक कीमत पर तथा उनकी अपनी घरेलू उत्पादन की लागत से अधिक कीमत पर किया है। इसके अतिरिक्त इस विरोध के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना ही हीस्ट द्वारा कोई पाटन नहीं किया गया है, यह उल्लेख किया जाता है कि 150 डेनियर हेतु निवल निर्यात कीमत गलत ली गई है और वह दिए गए अभ्यावेदन के अनुसार नहीं है।

11.3 मै0 जिनजियांग केमिकल फाइबर कं0 लि0, चीन जन. गण.

मूल जांच के दौरान निर्धारित संदर्भ कीमत की तुलना में कुल निर्यातित मात्रा की भारत औसत निर्यात कीमत की समीक्षा जांच अवधि में 21% अधिक थी। उपर्युक्त के आलोक में पाटन या क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना उत्पन्न नहीं होती है। यह समझा जाता है कि प्राधिकारी ने संबंधित उत्पाद के विनिर्माण हेतु प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के आधार पर सामान्य मूल्य एवं क्षति रहित कीमत का परिकलन किया है। दो अलग-अलग प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पाद (i) सभी स्तरों में समान होते हैं; (ii) एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं; और (iii) बाजार में एक ही खंड में प्रतिस्पर्धा करते हैं। दोनों प्रौद्योगिकियों से विनिर्मित उत्पादों का कोई अलग या विशेष प्रयोग अथवा गुणधर्म नहीं होता है, अतः उनमें विनिर्माण हेतु प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के आधार पर अंतर नहीं किया जा सकता है तथा परिणामस्वरूप अलग-अलग सामान्य मूल्यों एवं क्षति रहित कीमतों का निर्धारण अवांछित और कानूनी रूप से आधारणीय है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11.4 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि अपरिष्कृत डेनियर से बेहतर डेनियर के आयातों में अत्यधिक परिवर्तन हुआ है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में यह भी तर्क दिया है कि अलग-अलग डेनियरों की कीमतों में काफी अंतर होता है और इसलिए प्राधिकारी को डेनियर आधार पर तुलना करने पर विचार करना चाहिए। किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं की है। उचित तुलना के सिद्धांतों में यह अपेक्षित है कि प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की तुलना तुलनीय उत्पाद प्रकारों हेतु निर्यात कीमत से की जाए। वर्तमान मध्यावधि समीक्षा के उद्देश्य, हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों तथा कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी प्रत्येक डेनियर के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना अलग-अलग करने को उपयुक्त मानते हैं।

12. प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर की जांच

(i) सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 8 (2) के अनुसार प्राधिकारी ने इस कल्पना के साथ कार्यवाही की कि कोई भी देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी या किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच के पूर्व की तीन वीं की अवधि के दौरान पाटनरोधी जांचों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना गया है, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वीं में ई यू तथा अमेरिका जैसे डब्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। वर्तमान मामले में चीन जन गण की जांच गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में किए जाने का प्रस्ताव है।

(ii) यथासंशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वाग्रह का खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएं और पूर्वाग्रह के विपरीत को सिद्ध करें । चीन जन गण से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया जा सके:-

(क) चीन जन गण में कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्य को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विस्मरणों के अधीन होती हैं, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

(iii) सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रश्नावली की प्रतियां सभी ज्ञात निर्यातकों को भेजीं । मै. यिबिन हीस्ट फाइबर लि. कॉर्पो., यिबिन सिन्हुआन के मै. एचएमईआई श्रेड कं. लि. और मै0 जिनजियांग केमिकल फाइबर कं लि0 ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है । मै. यिबिन हीस्ट फाइबर लि. कॉर्पो. और यिबिन सिन्हुआन के मै. एचएमईआई श्रेड कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली का भी उत्तर दिया है । मै0 जिनजियांग केमिकल फाइबर कं लि0 ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और केवल निर्यात कीमत के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है ।

(iv) प्राधिकारी ने मै0 यिबिन हीस्ट फाइबर लि0 कॉर्पो द्वारा प्रस्तुत एम ई टी प्रश्नावली की जांच की है । कंपनी द्वारा यह निवेदन किया गया है कि ***% शेयर मै0 ग्रेस तथा मै0 ग्रेस ग्रुप कं0 के पास हैं जो कि राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम (एस ओ ई) है । मै0 ग्रेस ग्रुप कं0 के पास ***% शेयर हैं जो राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों अर्थात मै0 यिबिन स्टेट ओन्ड एसेट मैनेजमेंट कं0 लि0 (***%) और मै0 सिन्हुआन प्रोविन्स इन्वेस्टमेंट ग्रुप कं0 लि0 (***%) के पास हैं । इस ग्रुप तथा अन्य एस ओ ई के पास मै0 ग्रेस में ***% शेयर हैं । उपर्युक्त दृष्टि से कंपनी मै0 यिबिन हीस्ट फाइबर लि0 कॉर्पो के प्रबंधन तथा दैनिक कार्यों में राज्य के हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है ।

(v) प्राधिकारी ने मै0 एचएमईआई थ्रेड कं. लि. द्वारा प्रस्तुत एम ई टी प्रश्नावली की जांच की है। यह कंपनी दीर्घावधिक अनुबंध पर हीस्ट कंपनी (जिसका अधिकांश नियंत्रण एस ओ ई के पास है) से वी एफ वाई की कच्ची सामग्री खरीदती है। इन दोनों कंपनियों में एक साझा शेयर धारक मै0 जिन्या है। यह निवेदन किया गया है कि चूंकि क्रय मात्रा बहुत अधिक है अतः एच एम ई आई की वी एफ आई की कीमत बेहतर है। एच एम ई आई में कार्यरत कार्मिकों के संबंध में प्रस्तुत सूचना के अनुसार लगभग सभी कर्मचारी मै0 ग्रेस तथा मै0 ग्रेस ग्रुप कंपनी के कर्मचारी हैं। यह कंपनी केवल कशीदाकारी यार्न की बिक्री करती है। कच्ची सामग्री के क्रय के संबंध में प्रस्तुत सूचना के अनुसार संयंत्र का प्रबंधन करने वाले कार्मिक तथा स्वयं संयंत्र (भूमि प्रयोग अधिकार तथा भवन) ग्रेस ग्रुप कंपनी लि0 से पट्टे पर लिया गया है, अतः साझा प्रबंधन द्वारा कंपनी के संचालन से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। मै0 एच एम ई आई पर मै0 ग्रेस ग्रुप कंपनी लि0 का प्रभाव निर्यातक प्रश्नावली में दी गई स्वीकारोक्ति के अनुसार है। चूंकि मै0 ग्रेस तथा ग्रेस ग्रुप कंपनी लि0 मुख्य रूप से एस ओ ई हैं अतः प्रबंधन एवं दैनिक कार्यों में राज्य के हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है।

(vi) मै0 जिनजियांग केमिकल फाइबर कं लि0 ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

(vii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 में दिए गए सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ है। अतः चीन जन गण के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 में दिए गए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया गया है।

(viii) पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण "भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा।"

(ix) बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में सामान्य मूल्य के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा कोई आंकड़े या सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। तथापि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान भारत में विचाराधीन उत्पाद के लिए भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य डेनियर-वार कीमत उपलब्ध कराई है। अतः प्राधिकारी ने किसी अन्य विकल्प की अनुपस्थिति में सामान्य मूल्य का निर्धारण समान उत्पाद हेतु भारत में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत के आधार पर किया है। जहां कहीं घरेलू उद्योग ने लाभ पर बिक्री की है वहां उस कीमत को अंगीकार किया गया है। तथापि यदि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उत्पादन लागत से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक लागत और लाभ जोड़कर विधिवत समायोजित उत्पादन लागत अंगीकार की गई है। सामान्य मूल्य का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया है।

13. निर्यात कीमत

निर्यात कीमत का निर्धारण संबंधित निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि मूल जांच दौरान निर्यात कीमत के संबंध में उत्तर देने वाले निर्यातकों के सभी दावों तथा निर्यात कीमत में समायोजन पर सभी मामलों में सहमति नहीं दी गई थी। सत्यापन के दौरान निर्यातकों द्वारा प्रमाण की अनुपस्थिति में कुछ निर्यात सौदों को अस्वीकार कर दिया गया था। तथापि प्राधिकारी ने निर्यात कीमत तथा उसमें समायोजन के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए अभ्यावेदनों पर विश्वास किया है। प्राधिकारी संबंधित निर्यातकों द्वारा किए गए दावों के अनुसार कीमत समायोजन की अनुमति देने का प्रस्ताव करते हैं। तथापि यह देखा गया है कि मै0 यिबिन हीस्ट ने विभिन्न डेनियरों में निर्यात कीमत और सी आई एफ मूल्य में *** से *** डालर प्रति किग्रा. का अंतर दर्शाया है जबकि मै0 जिनजियांग ने विभिन्न डेनियरों में निर्यात कीमत और सी आई एफ मूल्य में *** से *** डालर प्रति किग्रा. का अंतर दर्शाया है। मै0 यिबिन हीस्ट के दावों की तुलना में मै0 जिनजियांग के दावे कम हैं। चूंकि दोनों निर्यातक एक ही देश के हैं अतः मै0 यिबिन हीस्ट के आंकड़ों के आधार पर मै0 जिनजियांग द्वारा दावा किए गए कम अंतर का समायोजन किया गया है।

14. पाटन मार्जिन

14.1 ऊपर किए गए निर्धारण के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है:-

| यिबिन हीस्ट | 100 डेनियर | 120 डेनियर | 150 डेनियर | कुल |
|-----------------------------|---------------|---------------|------------|------|
| सामान्य मूल्य - अम0 डा0 | *** | *** | *** | *** |
| निवल निर्यात कीमत - अम0 डा0 | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन अम0 डा0 | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन % | *** | *** | *** | 4.42 |

14.2 मै0 एच एम ई आई ने केवल कशीदाकारी यार्न का निर्यात किया है जिसके विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर होने के कारण उसके लिए किसी पाटन मार्जिन का परिकलन नहीं किया गया है।

14.3 मै0 जिनजियांग ने जांच अवधि के दौरान 30 डेनियर से 150 डेनियर का निर्यात किया है। उसके लिए पाटन मार्जिन नीचे दी गई तालिका के अनुसार परिकलित किया गया है:-

| डेनियर | 100 | 120 | 150 | 30 | 40 | 50 | 60 | 75 | कुल |
|-----------------------------|-----|-----|-----|-------|-------|-----|-------|-----|-------|
| सामान्य मूल्य - अम0 डा0 | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| निवल निर्यात कीमत - अम0 डा0 | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन अम0 डा0 | *** | *** | *** | (***) | (***) | *** | (***) | *** | *** |
| पाटन मार्जिन % | *** | *** | *** | (***) | (***) | *** | (***) | *** | 12.02 |

14.4 चीन के अन्य निर्यातक

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर जांच अवधि के दौरान आयात सौदों के आधार पर किया गया है। अलग-अलग डेनियर्स के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत निकालने के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत में घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए व्ययों हेतु समायोजन किया गया है। सामान्य मूल्य के साथ निर्यात कीमत की तुलना से अन्य असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निम्नलिखित पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है:-

| डेनियर | 30 | 40 | 50 | 75 | 100 | 120 | 150 | कुल— |
|-----------------------------------|-------|-------|-------|-----|-----|-----|-----|-------|
| सागर मूल्य - अम० डा० | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| निर्यात निर्यात कीमत - अम० डा० | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन अम० डा० | (***) | (***) | (***) | *** | *** | *** | *** | *** |
| पाटन मार्जिन % | (***) | (***) | (***) | *** | *** | *** | *** | 19.14 |

15. क्षति निर्धारण हेतु प्रणाली तथा कारणात्मक संबंध की जांच

क्षति निर्धारण

15.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मध्यावधि समीक्षा के लिए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (5) और नियम 23 संगत प्रावधान हैं जिनमें निम्नानुसार प्रावधान किया गया है:-

" इस खंड के अंतर्गत लागू पाटनरोधी शुल्क जब तक कि पहले समाप्त न किया जाए, अधिरोपण की तारीख से 5 वर्षों के बाद समाप्त हो जाएगा:

बशर्ते किसी समीक्षा में यदि केन्द्र सरकार का मत यह हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति पर पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति की संभावना है तो वह समय-समय पर अगले 5 वर्षों के लिए ऐसे अधिरोपण की अवधि में विस्तार कर सकती है और यह आगे की अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।"

नियम 23 समीक्षा - (1) प्राधिकारी समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे और यदि वह प्राप्त हुई सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे शुल्क को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है तो वह केन्द्र सरकार को शुल्क की समाप्ति हेतु सिफारिश करेंगे।

(2) उप नियम (1) के अंतर्गत शुरू की गई किसी समीक्षा को ऐसी समीक्षा की शुरुआत की तारीख से 12 माह से अनधिक अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा।

(3) समीक्षा के मामले में नियम 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 और 20 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

15.2 पाटनरोधी नियमों के नियम 23 में अंतरिम समीक्षा करने हेतु प्रक्रिया का प्रावधान है। समीक्षा करने के लिए नियम 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 और 20 के प्रावधान लागू होते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के अनुसार ऐसी समीक्षाओं में क्षति की मौजूदा स्थिति और उसके बाद संभावना का आकलन किया जाना होता है।

15.3 इससे संबंधित नियम में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों में भी घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के अनुवर्ती प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों की मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में सापेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती हुई है या ऐसे आयातों के प्रभावस्वरूप अत्यधिक कीमत हास हुआ है या कीमत वृद्धि में बाधा आई है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

15.4 क्षति की मौजूदा स्थिति के आकलन के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों तथा कीमतों एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, तथा क्षति की उपस्थिति का पता लगाने के लिए की है।

प्रकटन विवरण के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अभ्यावेदन

15.4.1 मै. यिबिन हीस्ट फाइबर लि. कॉर्पोरेशन चीन जन. गण.

घरेलू उद्योग को क्षति यदि कोई हो, घरेलू बाजार के भीतर घरेलू प्रतिस्पर्धा के कारण है न कि आयातों के कारण है। चूंकि चीन से आयातित वीएफवाई की गुणवत्ता भारत में उत्पादित गुणवत्ता से बेहतर है अतः बेहतर गुणवत्ता वाले यार्न के लिए बाजार में विस्तार हो रहा है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण है न कि चीन से पाटन के कारण। हीस्ट ने भारत को ऐसी कीमतों पर निर्यात नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो। रोजगार एवं मजदूरी के कारण घरेलू उद्योग द्वारा किसी क्षति का दावा नहीं किया जा सकता। अन्य उत्पादकों का बाजार हिस्सा दोगुना हो गया है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आनुपातिक रूप से गिरावट आई है। घरेलू उद्योग द्वारा पुरानी प्रौद्योगिकी का प्रयोग

सभी को विदित है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग के निर्यात निषादन में सुधार हुआ है, जिससे यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ने कोई विदेशी बाजार नहीं गँवाया है।

15.4.2 मै. जिनजियांग कैमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.

प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त एवं उपयुक्त तथ्यात्मक आधार एकत्र किया जाना और घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों एवं संकेतकों की वस्तुपरक जांच किया जाना आवश्यक है जो कि घरेलू उद्योग को क्षति के निर्धारण में अनिवार्य चरण है। घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों एवं संकेतकों की सूची का प्राधिकारी द्वारा गहन आकलन किया जाएगा। प्रकटन में इस बात का कोई संतुष्टिजनक स्पष्टीकरण नहीं है कि किस प्रकार जांच अवधि के दौरान सकारात्मक कार्यवाहियों पर नकारात्मक संकेतक भारी रहे हैं।

(क) मात्रा प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

15.5 संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:-

संबद्ध देश की आयात मात्रा एवं हिस्सा

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-------------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| आयातों में बाजार हिस्सा | | | | | |
| चीन जन गण | मी टन | 2,816 | 4,627 | 2,782 | 3,401 |
| अन्य देश | मी टन | 656 | 1,647 | 610 | 600 |
| कुल आयात | मी टन | 3,472 | 6,275 | 3,392 | 4,001 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 181 | 98 | 115 |
| आयातों में बाजार हिस्सा | | | | | |
| चीन जन गण | % | 81.11 | 73.74 | 82.01 | 85.00 |
| अन्य देश | % | 18.89 | 26.26 | 17.99 | 15.00 |

उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विश्लेषण पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में किया गया है। इस संबंध में स्थिति निम्नानुसार है:-

| कंपनी का नाम | जांच अवधि के दौरान निर्यात (मी. टन) |
|--------------|-------------------------------------|
| यिबिन हीस्ट | *** |
| जिनजियांग | *** |

उपर्युक्त से यह नोट किया गया है कि जब इन कंपनियों के चीन के सबसे बड़े उत्पादक/निर्यातक होने का दावा किया जा रहा था तब भी इन कंपनियों द्वारा सूचित निर्यात की मात्रा भारत में सूचित आयातों की मात्रा से काफी कम थी।

15.6 टिप्स सॉफ्टवेयर सांख्यिकी से आयातों के संबंध में सौदेवार आंकड़े प्राप्त हुए हैं; इस जांच परिणाम में विश्लेषण हेतु उन आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। कुल आयात 3401 मी. टन से बढ़कर 4001 मी. टन हो गए। आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा वही 2004-05 में 81.11 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि में 85 प्रतिशत हो गया है। चीन से आयातों में सापेक्ष रूप से और आयातों में

हिस्से के रूप में काफी वृद्धि हुई है। आयात का वर्तमान स्तर मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद है। यह नोट किया गया है कि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है और पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश एवं अधिरोपण कुछ समय पहले किया गया था। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि सामान्य परिस्थितियों में आयातों की मात्रा में गिरावट आई होती। तथापि, शुल्कों के बेंचमार्क मूल्य तथा निविटि कीमतों में वृद्धि के कारण चूंकि उत्पाद की कीमतों में वृद्धि हुई है अतः पाटित एवं क्षति कारक कीमतों पर आयात जारी रहे हैं।

15.7 प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों की बिक्री तथा भारत में ज्ञात आयातों पर विचार करके विचाराधीन उत्पाद हेतु मांग का निर्धारण किया है।

मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--------------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| मांग | मी टन | 37,671 | 42,950 | 36,319 | 37,623 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 114 | 96 | 100 |
| घरेलू उद्योग | मी टन | 32,623 | 33,537 | 29,374 | 30,377 |
| अन्य उत्पादकों की बिक्री | मी टन | 1,576 | 3,138 | 3,553 | 3,245 |
| आयात - संबद्ध देश | मी टन | 2,816 | 4,627 | 2,782 | 3,401 |
| आयात - अन्य देश | मी टन | 656 | 1,647 | 610 | 600 |
| मांग में बाजार हिस्सा | | | | | |
| घरेलू उद्योग | % | 86.60 | 78.08 | 80.88 | 80.74 |
| अन्य उत्पादकों की बिक्री | % | 4.18 | 7.31 | 9.78 | 8.63 |
| आयात - संबद्ध देश | % | 7.48 | 10.77 | 7.66 | 9.04 |
| आयात - अन्य देश | % | 1.74 | 3.84 | 1.68 | 1.60 |

15.8 उपर्युक्त आंकड़ों से यह संकेत मिलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान माँग में लगभग कोई परिवर्तन नहीं हुआ। उसी अवधि में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 86.60% से घटकर 80.74% रह गया। तथापि यह नोट किया गया है कि संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 7.48% से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 9.04% हो गया है। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की माँग वर्ष 2005-06, जिसमें माँग में वृद्धि दर्ज की गई, को छोड़कर पिछले वर्षों में अवरुद्ध रही है। इसके अतिरिक्त पाटनरोधी शुल्क लागू करने के बावजूद चीन से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है।

15.9 क्षमता, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग का उत्पादन

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| क्षमता | मी. टन | 57,100 | 57,500 | 57,500 | 57,500 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 101 | 101 | 101 |
| उत्पादन | मी. टन | 53,581 | 53,130 | 54,020 | 51,107 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 99 | 101 | 95 |
| क्षमता उपयोग | % | 93.84 | 92.40 | 93.95 | 88.88 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 98 | 100 | 95 |

| | | | | | |
|----------------------------|----------|--------|--------|--------|--------|
| विचारणीय उत्पाद का उत्पादन | मी. टन | 32,051 | 33,120 | 32,225 | 30,559 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 101 | 95 |

नोट: क्षमता तथा क्षमता उपयोग घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सभी डीनियरों के लिए है।

उपर्युक्त आंकड़े घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन तथा क्षमता से संबंधित हैं। चूंकि संबद्ध वस्तु (150 डीनियर) के लिए कोई पृथक् क्षमता उपलब्ध नहीं है अतः उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के संदर्भ में उसी की जाँच की गई है। आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 तक अपना क्षमता उपयोग बनाए रखने में सक्षम रहा था। तथापि, जाँच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में 5% की गिरावट आई।

15.10 वर्ष 2006-07 में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में वृद्धि हुई लेकिन आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान इसमें 5% की कमी आई। पाटित तथा क्षतिकारी कीमत पर पाटित आयातों के कारण उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में गिरावट आई थी।

15.11 घरेलू उद्योग की बिक्री

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-----------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| घरेलू बिक्री | मी. टन | 32,623 | 33,537 | 29,374 | 30,377 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 90 | 93 |
| बिक्री- निर्यात | मी. टन | 1,444 | 777 | 1,856 | 2,101 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 54 | 129 | 146 |

उपर्युक्त आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में 7% की कमी आई है। बिक्री में यह गिरावट उत्पादन में हुई गिरावट से अधिक है।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

15.12 संबद्ध देश से आयातों के कारण कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जाँच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की डीनियर-वार लागत, निवल बिक्री आय (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण सूचना के आधार पर परिकलित) की तुलना संबद्ध देश से आयातों के डीनियर-वार पहुँच मूल्य से की गई है।

15.13 जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत से की गई थी। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय के निर्धारण हेतु कर, घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए बट्टे, छूट तथा कमीशन समायोजित किए गए हैं।

15.14 कम कीमत पर बिक्री क्षति के मूल्यांकन हेतु एक महत्वपूर्ण संकेतक है; अतः प्राधिकारी ने गैर-क्षतिकारी कीमत का परिकलन किया है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा के निर्धारण हेतु उसकी तुलना पहुँच मूल्य से की है। घरेलू उद्योग हेतु गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण जाँच

अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन लागत पर समुचित रूप से विचार करते हुए किया गया है।

15.15 यह पाया गया है कि (क) आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमत कटौती हुई है; (ख) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से बहुत कम है जिसके कारण कम कीमत पर बिक्री हुई है, (ग) जहाँ एक ओर क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत बढ़ी वहीं बिक्री कीमतों में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई। इसलिए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हुआ।

15.16 अन्य क्षति मानदंडों की जांच

पिछले खंड में घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री जैसे प्रमुख क्षति मानदंडों के साथ-साथ विभिन्न वर्गों के बाजार हिस्सों के माँग पैटर्न की जाँच करने के बाद अन्य आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी दर्शा सकते हैं, का विश्लेषण किया गया है जो निम्नानुसार है :

15.17 लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|------------------------|---------------|---------|---------|---------|---------|
| लाभप्रदता | | | | | |
| बिक्री लागत | रु./कि. ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 115 | 128 |
| बिक्री कीमत | रु./कि. ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 110 | 112 |
| लाभ/हानि | रु./कि. ग्रा. | *** | *** | *** | (***) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 53 | 38 | (107) |
| लाभ/हानि (पीबीआईटी) | लाख रु. | *** | *** | *** | (***) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 62 | 48 | (59) |
| नकद लाभ | लाख रु. | *** | *** | *** | (***) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 68 | 53 | (53) |

घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों की लाभप्रदता का विश्लेषण घरेलू उद्योग के रिकॉर्डों के आधार पर किया गया है।

15.18 आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान बिक्री लागत में 28% की वृद्धि हुई जबकि बिक्री कीमत में केवल 12% की वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति कि. ग्रा. लाभ में अत्यधिक गिरावट आई।

15.19 आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान लाभ (पीबीआईटी) में उल्लेखनीय गिरावट हुई। जाँच अवधि में घरेलू उद्योग को हानि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान पीबीआईटी में 141% की कमी दर्ज की गई।

15.20 नकद प्रवाह पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने नकद लाभों के रुझानों पर विचार किया है। नकद लाभ का निर्धारण लाभ (कर पूर्व लाभ) तथा मूल्य ह्रास की राशि को जोड़ कर किया गया है। रुझान से पीबीआईटी का समान रुझान प्रदर्शित होता है। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान नकद लाभ में 153% की गिरावट दर्ज की गई।

15.21 रोजगार तथा मजदूरी

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--|---------------|---------|---------|---------|---------|
| कर्मचारी | सं | 9,537 | 8,518 | 8,517 | 8,171 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 89 | 89 | 86 |
| प्रति उत्पादन इकाई हेतु प्रदत्त मजदूरी | रु./कि. ग्रा. | 31.26 | 29.63 | 38.58 | 38.17 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 95 | 123 | 122 |

कर्मचारियों की संख्या आधार वर्ष में 100 कर्मचारियों से घटकर 86 (सूचीबद्ध) रह गई थी। इस उद्योग के श्रम गहन उद्योग होने के कारण कर्मचारियों की संख्या में कमी घरेलू उद्योग के लिए उल्लेखनीय ह्रास है। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति उत्पादन इकाई हेतु प्रदत्त मजदूरी में 22% की वृद्धि हुई।

15.22 उत्पादकता

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--------------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| उत्पादन | मी. टन | 32,051 | 33,120 | 32,225 | 30,559 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 101 | 95 |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | मी. टन | 5.62 | 6.24 | 6.34 | 6.25 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 113 | 111 |

आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादन (केवल 150 डीनियर तक) के रूप में परिकलित उत्पादकता में 11% की वृद्धि हुई है लेकिन वर्ष 2006-07 की तुलना में इसमें कमी आई है।

15.23 मालसूची

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| औसत मालसूची | मी. टन | 5,009 | 3,405 | 3,292 | 2,776 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 68 | 66 | 55 |

मालसूची से संबंधित आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान औसत मालसूची में 45% की कमी आई है।

15.24 निवेश पर आय तथा पूँजी जुटाने की क्षमता

| विवरण | इकाई | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|---------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| एनएफए | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| कार्यशील पूँजी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| नियोजित पूँजी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| एनएफए आधार (कुल) | | | | | |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 104 | 104 | 107 |
| नियोजित पूँजी पर आय | % | *** | *** | *** | (***) |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 60 | 46 | (55) |

क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूँजी पर आय में तेजी से गिरावट आई और जाँच अवधि में यह ऋणात्मक रही। क्षति अवधि के दौरान सूचीबद्ध रूप में नियोजित पूँजी पर आय में 145% की गिरावट दर्ज की गई। आधार वर्ष में घनात्मक आय अर्जित कर रहे घरेलू उद्योग को जाँच अवधि में ऋणात्मक आय का सामना करना पड़ा।

15.25 कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

संबद्ध देश की निर्यात कीमतों के मूल्यांकन से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान कीमतों में वृद्धि हुई थी। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के पहुँच मूल्य में वृद्धि हुई।

15.26 वृद्धि

उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, आरओआई, पीबीआईटी, नकद लाभ में ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है। मालसूची, घरेलू उद्योग की उत्पादकता में घनात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है।

15.27 अन्य ज्ञात कारक

क) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

यह देखा गया है कि उन देशों से आयात आधार वर्ष में 656 मी. टन की तुलना में घटकर जांच अवधि में 237 मी. टन रह गया है जिन पर शुल्क प्रभावी नहीं है। अन्य देशों से आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 18.89% से घटकर जांच अवधि में 6.51% रह गया। अन्य देशों, जिन पर शुल्क लागू नहीं है और जहाँ से आयातों में वस्तुतः गिरावट आई है, से होने वाला आयात घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारक प्रतीत नहीं होता है।

ख) माँग में कमी और/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद की माँग में केवल 1% की कमी आई है। अतः माँग में कमी वह संभावित कारक नहीं है जो घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित कर रहा है।

ग) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं है। अतः यह कारक घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित नहीं कर सकता है।

(घ) प्रौद्योगिकी एवं निर्यात निष्पादन का विकास

घरेलू उद्योग के उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी, संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली प्रौद्योगिकी के समान है। प्रौद्योगिकी में विकास एक ऐसा कारक नहीं है जिसका प्रभाव घरेलू उद्योग के निष्पादन पर पड़ सकता हो।

घरेलू उद्योग द्वारा कुछेक निर्यात कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान निर्यात बिक्री में वृद्धि हुई है। तथापि क्षति के निर्धारण के लिए केवल घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है। अतः निर्यात निष्पादन को घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारक नहीं माना जा सकता।

15.28 क्षति संबंधी निष्कर्ष

विचाराधीन उत्पादों के आयात में वर्तमान क्षति अवधि के दौरान समग्र अर्थों में वृद्धि हुई है। आयातों में वृद्धि मौजूदा, पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद हुई है और ऐसा प्रतीत होता है कि यह वृद्धि लागत में वृद्धि के कारण हुई है जिससे आयात कीमतों में वृद्धि हुई है और उसके परिणामस्वरूप गैर-पाटित/क्षति रहित कीमतों पर आयातों को सुनिश्चित करने में बेंचमार्क कम प्रभावशील हो गया है। भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया गया है कि बाजार में आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती हो रही थी और उनके कारण कीमत वृद्धि में रूकावट आ रही थी जो आयातों के न होने पर अन्यथा बढ़ गई होती। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, बिक्री मात्रा, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। आयातों के कारण घरेलू कीमतों का ह्रास हो रहा था। अतः प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि घरेलू उद्योग को लगातार वास्तविक क्षति हुई है।

16. कारणात्मक संबंध

16.1 क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना

वर्तमान जाँच एक समीक्षा जाँच है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस बात की जाँच की जानी अपेक्षित है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है। इस मामले में, चूँकि पाटित आयातों के लगातार होते रहने के कारण यद्यपि गिरावट आ रही है तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस बात की जाँच की जानी अपेक्षित है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से उत्पाद का पाटन जारी रहने की संभावना है। गिरावट की प्रवृत्ति में भी संबद्ध देश के निर्यातक एवं उत्पादक पिछले कई वर्षों से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं। वर्तमान पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। पिछली जाँच में भी पाटन मार्जिन अत्यधिक था। ऐसी स्थिति में, इस बात पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन में वृद्धि नहीं होगी। यद्यपि पूर्ववर्ती पैराग्राफों के आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में काफी गिरावट आई है। चीन में संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक उत्पादन, उनकी निर्यातोन्मुखता तथा भारत में संबद्ध वस्तुओं की बढ़ती मांग को देखते हुए, पाटनरोधी शुल्क में किसी प्रकार की कटौती से अथवा शुल्क को समाप्त करने से पाटित आयातों में वृद्धि हो सकती है जिससे घरेलू उद्योगों को क्षति होगी।

16.2 पाटन की संभावना

मध्यावधि समीक्षा जाँच में पाटन की संभावना की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने मूल जाँच में प्रयुक्त पद्धति एवं क्रियाविधि को अपनाया है। अद्यतन अवधि के लिए पाटन मार्जिन का भी पुनः परिकलन किया गया है।

16.3 वर्तमान एवं पूर्ववर्ती पाटन मार्जिन का स्तर

प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती जाँच में निर्धारित पाटन मार्जिन तथा वर्तमान में आकलित पाटन मार्जिन को देखते हुए, यह काफी स्पष्ट है कि पाटित कीमतों पर लगातार निर्यात किए गए थे और पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने पर भी इसके जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत कटौती के मद्देनजर, पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में, आयातों में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है।

16.4 भारतीय बाजार की कीमत अनुकूलता

चीन से भारत को निर्यात की जा रही सामग्री की कीमत भी पाटन के जारी रहने का संकेतक है। पहुँच कीमत में अत्यधिक कटौती की जाती है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से भारतीय कीमतें चीन के उत्पादकों द्वारा पाटन किए जाने हेतु अत्यंत अनुकूल हो जाएंगी और इस बात की अत्यधिक संभावना है कि भारतीय उपभोक्ता बढ़ती हुई मांग के कारण बड़ी मात्रा में आयात करेंगे।

16.5 चीन की निर्यातोन्मुखता

प्राधिकारी ने विश्व को चीन के निर्यातों के संबंध में वर्ल्ड ट्रेड एटलस से निर्यात आंकड़े प्राप्त किए हैं। आंकड़ों से यह पाया गया है कि चीन ने जाँच अवधि के दौरान विश्वभर में संबद्ध वस्तुओं का 29000 मी. टन से अधिक का निर्यात किया है। विश्वभर में किए गए निर्यात वर्ष 2005 में 23954 मी. टन, वर्ष 2006 में 28434 मी. टन तथा वर्ष 2007 में 29163 मी. टन रहे हैं। इससे वर्ष 2006 में वर्ष 2005 की तुलना में 18.7% तथा वर्ष 2007 में वर्ष 2006 की तुलना में 2.56% की वृद्धि प्रदर्शित होती है। वर्ष 2005 की तुलना में जाँच अवधि में निर्यात कीमत में लगभग 5% की गिरावट (5.91 डॉलर प्रति कि.ग्रा. से जाँच अवधि में 5.63 डॉलर प्रति कि.ग्रा.)

प्रदर्शित हुई है। इस परिदृश्य में यदि संबद्ध वस्तुओं से पाटनरोधी शुल्क हटा लिया जाता है तो भारत, चीन से संबद्ध वस्तुओं हेतु एक अनुकूल गंतव्य बन जाएगा।

पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है। जिसके कारण घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। आगे यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट से घरेलू उद्योग द्वारा अपनी बिक्री में वृद्धि किए जाने में रूकावट आई है। पाटित आयातों के कारण हुई अत्यधिक कीमत कटौती से घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों, लागत में वृद्धि की सीमा तक बढ़ाने में रूकावट आई है। यद्यपि उत्पादन लागत में निविष्टि की कीमतों में बढ़ोत्तरी के कारण वृद्धि हुई है तथापि बिक्री कीमतों में बाजार में कम कीमतों पर मौजूद पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण आनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय में गिरावट आई है। अत्यधिक कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन पर लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय के संदर्भ में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अतः प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि नियम के अर्थ के भीतर चीन के मूल के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति जारी रही है।

17. अंतिम जांच परिणाम:

दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना तथा हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए निवेदनों तथा हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत निवेदनों के माध्यम से प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्य अथवा उपर्युक्त जांच परिणामों में अन्यथा रिकॉर्ड किए गए तथा वर्तमान एवं संभावित पाटन एवं क्षति तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- (i) संबद्ध वस्तुएं, पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहीं हैं तथा चीन से आयातित संबद्ध वस्तुओं का पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है। पाटित कीमतों पर भारत को उत्पाद का निर्यात जारी रहा है।
- (ii) यदि वर्तमान में लागू उपाय वापस ले लिए जाते हैं तो संबद्ध वस्तुओं की भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश करने की संभावना है।
- (iii) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क जारी रहने के बावजूद घरेलू उद्योग की अवनति हुई है। इसके अतिरिक्त यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने तथा उसमें वृद्धि होने की संभावना है।
- (iv) घरेलू उद्योग के निष्पादन में आई गिरावट, चीन से होने वाले पाटित आयातों के कारण है।

18. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

18.1 प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लागू करने से, पाटन की प्रथा से मिलने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने, घरेलू उद्योग के ह्रास को रोकने तथा संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को चुनाव के व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात करने में किसी भी प्रकार से बाधा नहीं आएगी और इस प्रकार उपभोक्ताओं हेतु उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बाद भी उपभोक्ता आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोतों को बनाए रख सकेंगे।

18.2 पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन, सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना होता है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में हैं। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात करने में किसी भी प्रकार से बाधा नहीं आएगी और इस प्रकार उपभोक्ताओं हेतु उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

19. सिफारिशें

19.1 इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और चीन से आयातों के संबंध में यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना है, प्राधिकारी का यह मत है कि चीन से आयातों के संबंध में उपाय को और आगे भी लागू रखा जाना आवश्यक है। क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, आयातों (डेनियर-वार) के पहुँच मूल्य की तुलना, जांच अवधि हेतु निर्धारित याचिकाकर्ता कम्पनी की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। प्राधिकारी का मत है कि वर्तमान मध्यावधि समीक्षा के उद्देश्य, हितबद्ध पार्टियों के तर्कों तथा इस संबंध में कानूनी प्रावधानों को देखते हुए, विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न डेनियरों हेतु अलग-अलग बेंचमार्कों की सिफारिश करना उचित है।

19.2 प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम के आधार पर प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में से जो कम हो, उसके समतुल्य पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा पहुँच मूल्य के बीच के अंतर के समतुल्य होगा।

शुल्क तालिका

| क्र. सं. | उपशीर्ष अथवा टैरिफ मद | वस्तुओं का विवरण | निर्दिष्टन (डेनियर) | उद्गम का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | संदर्भ कीमत | माप की इकाई | मुद्रा |
|----------|-----------------------|-----------------------|---|----------------|----------------|-------------------------------------|-------------------------------------|--|-------------|-------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) |
| 1. | 5403 | विस्कस फिलामेंट यार्न | 30 40 50 60 75 100 120 150 कोई अन्य | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. | यिबिन हीस्ट फाइबर लि. कॉर्पोरेशन | यिबिन हीस्ट फाइबर लि. कॉर्पोरेशन | 10.10 9.68 9.71 8.08 6.28 4.72 4.77 4.74 11.38 | कि. ग्रा. | अम. डॉलर |
| 2 | 5403 | विस्कस फिलामेंट यार्न | 30 40 50 60 | चीन जन. गण. | चीन जन. गण. | जिनजियांग केमिकल फाइबर कं. लि. | जिनजियांग केमिकल फाइबर कं. लि. | 10.10 9.68 9.71 8.08 | कि. ग्रा. | अम. डॉलर |

| | | | | | | | | | |
|---|------|---------|----------|--------|--------|---------------------|-----------------|-------|------|
| | | | 75 | | | | 6.28 | | |
| | | | 100 | | | | 6.07 | | |
| | | | 120 | | | | 5.20 | | |
| | | | 150 | | | | 5.61 | | |
| | | | कोई अन्य | | | | 11.38 | | |
| 3 | 5403 | किरकस | 30 | चीन | कोई | क्र.सं. 1 एवं 2 के | क्र.सं. 1 एवं 2 | 11.28 | किरा |
| | | फाइलमेट | 40 | जन.गण. | | अतिरिक्त उत्पादक के | अतिरिक्त | 10.88 | |
| | | वर्ग | 50 | | | एवं निर्यातक का | उत्पादक एवं | 9.71 | |
| | | | 60 | | | कोई अन्य संयोजन | निर्यातक का | 9.55 | |
| | | | 75 | | | | कोई अन्य | 6.28 | |
| | | | 100 | | | | संयोजन | 6.07 | |
| | | | 120 | | | | | 5.20 | |
| | | | 150 | | | | | 5.61 | |
| | | | कोई अन्य | | | | | 11.38 | |
| 4 | 5403 | किरकस | 30 | कोई | कोई | | कोई | 11.28 | किरा |
| | | फाइलमेट | 40 | | जन.गण. | | | 10.88 | |
| | | वर्ग | 50 | | | | | 9.71 | |
| | | | 60 | | | | | 9.55 | |
| | | | 75 | | | | | 6.28 | |
| | | | 100 | | | | | 6.07 | |
| | | | 120 | | | | | 5.20 | |
| | | | 150 | | | | | 5.61 | |
| | | | कोई अन्य | | | | | 11.38 | |

20. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों के अतिरिक्त सभी शुल्क शामिल होंगे।

21. इस सिफारिश के कारण केन्द्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध की जाने वाली कोई अपील, अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा शुल्क अपीलीय अपारधिकरण के समक्ष की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd May, 2009

FINAL FINDINGS**(Mid-Term Review)**

Subject : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigations concerning imports of Viscose Filament Yarn (VFY) originating in or exported from China PR.

No. 15/8/2007-DGAD.—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, initiated the original investigation vide Notification No. 14/23/2004-DGAD dated 7th, April, 2005. The Authority issued its Final findings recommending imposition of definitive Anti Dumping Duty on imports of Viscose Filament Yarn (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred as subject country), vide Notification No. 14/23/2004-DGAD dated 4th April, 2006 and such definitive duty was imposed by the Govt. of India vide Customs Notification No. 45/2006 dated 24.04.2006.

2. The Designated Authority, in terms of section 9A (5) of said Act. received a duly substantiated application from the Association of Man-Made Fiber Industry of India (AMFII) requesting for review and continuation of the anti-dumping duties levied on the subject goods from subject country as the domestic industry continued to suffer injury on account of dumping by the subject country. The petitioners claimed that the circumstances have changed substantially requiring a review of anti dumping measures in force. The reasons cited were substantial increase in the cost of production, intensified dumping, appreciation of Rupee vs US \$ and inclusion of Embroidery yarn in the PUC. The Designated Authority issued a Public Notice No. 15/8/2007-DGAD dated 23rd May, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Midterm Review of the anti-dumping investigations to examine the claims of the petitioners.

PROCEDURE

3. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;

- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4),
- v) Transaction-wise data of imports for the period of investigation and preceding three years were called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) in addition to the data of TIPS Software Statistics provided by the domestic industry. Both the information of TIPS Software Statistics and DGC&IS, without overlap, have been relied upon in this investigation;
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) Three exporters from the subject country have responded to the Designated Authority with prescribed questionnaire response.
- viii) No other interested parties filed their response to the initiation notification.
- ix) Association of Man-Made Fibre Industry (AMFII), being domestic industry, submitted the information/data. The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The Authority held a public hearing on 24.12.2008 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of interested parties. The written submissions received from interested parties have been considered in this findings;
- xi) The authority issued a disclosure statement on 23rd February 2009.
- xii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 01.04.2007 to 31.03.2008. However, injury analysis shall cover the years 2004-05, 2005-06 and 2006-07.
- xiii) *** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the Rules.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. The product involved in the original investigation was Viscose Rayon Filament yarn up to 150 deniers (and + - 4% permissible variation thereof) including

monofilament yarn of less than 67 decitex also known as viscose filament yarn or VFY, Rayon Filament Yarn, Art Silk Yarn, Cellulose Yarn or Rayon Yarn and includes all yarns made of 100% viscose yarns such as dyed yarn, flat yarn, microfilament microyarn, twisted yarn with the exclusion of embroidered yarn), doubled/multiple ply yarn etc of VFY unless specifically excluded in this paragraph (also referred to as subject goods in final finding Notification). However, the subject goods do not include sewing thread, fur yarn, fire retardant yarn, engineered yarn, embroidered yarn and air texturised yarn.

5. Viscose rayon filament yarn is a regenerated cellulosic yarn which is produced from natural renewable resources i.e. wood pulp. Different types of VFY are produced from the similar production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. Even though the product has been grouped into types according to technology (CSY/PSY), denier, luster, colour, twisting, doubling, these different types contain the same basic characteristic of VFY as there is a great amount of substitutability between different types of VFY. The subject goods are classified with Customs subhead 54033100, 54033200, 54033300, 54034110, 54034120, 54034130, 54034140, 54034150, 54034160, 54034170, 54034180 and 54034190 though they have been reported to have been imported within other chapter heads also (like Chapter 55). Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of these investigations.

The petitioners requested to include embroidered viscose filament yarn under the purview of subject goods.

6. Submissions by the Interested Parties

6.1 The Domestic Industry has represented as follows:

a) Significant Increase in cost of production

Pulp, Caustic Soda and Sulphur are major raw materials involved in the production of the product under consideration. There is significant increase in prices of pulp, caustic soda and sulphuric acid over the period. Relevant information with regard to prices of these inputs at the time of previous and present investigation and the impact of the same on the cost of production has already been filed along with the petition. Petitioner refers and relies on the same.

It is evident that the prices of these inputs have substantially increased. Resultantly, the cost of production has significantly increased after the investigation period.

In addition to the above mentioned raw materials, steam coal is another input which is required for generating steam. Prices of steam coal have significantly increased after the previous investigation period. Information showing prices of steam coal over the years has been provided to the Authority.

It is evident that the cumulative effect of the cost increases on account of a number of these factors is steep increase in the cost of production. Therefore, there is a need for increase in the benchmark appropriately.

(b) **Intensified dumping from China**

While the cost of production has significantly increased over last four years and in particular in 2007-08, the export price from China has not proportionately increased. Resultantly, the Chinese producers have continued to export their product at dumping prices even now.

(c) **Imports of Finer Denier Yarn**

At the time of original investigations, the imports were more in the coarser denier category within the definition of product under consideration. Significant imports are now taking place in superfine denier category.

(d) **Need to give separate benchmark for different deniers**

In view of fixation of one benchmark for different deniers, it is possible for the exporters to export finer denier yarn at the benchmark price and cause injury to the domestic industry. There is significant difference in the cost of production of different deniers. In fact, the domestic industry had categorized the product under consideration into three baskets – (a) less than 120 denier; (b) 120 denier; (c) above 120 denier. However, the Designated Authority fixed one benchmark for the three categories. Had the Designated Authority recommended separate benchmark for the three categories or separate benchmark for different deniers, this would have prevented injury (to some extent) being caused by import of finer denier yarns. The dumping and injury has continued due to the fact that even within three categories, the costs and prices of different deniers vary significantly. The Anti dumping duties are therefore, required to be reviewed in order to give separate benchmarks, denier wise. Given the vast difference in denier to denier cost of production and selling price, the benchmark is required to be revised and given separately for different deniers, as has been done by the Designated Authority in the case of silk fabric.

As would be seen from the information on record, productivity differs significantly from denier to denier. The table below illustrates on indexed basis considering that production hours required for production of one MT of VFY for 150 denier is 100 hours.

| Dnr. | Production hours Per MT |
|------|-------------------------|
| 40 | 387 |
| 50 | 340 |
| 60 | 317 |
| 75 | 212 |
| 100 | 147 |

| | |
|-----|-----|
| 120 | 130 |
| 130 | 118 |
| 150 | 100 |
| 180 | 114 |
| 225 | 82 |
| 250 | 71 |
| 300 | 66 |
| 350 | 70 |
| 450 | 42 |
| 500 | 43 |
| 600 | 41 |
| 700 | 41 |

The above clearly establishes that one benchmark for different types of VFY are inappropriate.

(e) Inclusion of VFY for Embroidery applications

The Designated Authority has not recommended anti dumping duty on imports of VFY for Embroidery applications on the grounds that the domestic industry was not producing and selling VFY for Embroidery applications. However, it is apparent that Authority has in fact confirmed having included yarn for embroidery application within the scope of the product under investigation at the stage of initiation, but had excluded from the same at the stage of final findings from the scope of measures on the grounds that like article was not being offered by the domestic industry. There is no finding by the Designated Authority that yarn for embroidery applications is not a viscose filament yarn. This inclusion of yarn for embroidery applications within the scope of proposed measures would not therefore tantamount to enhancement of product scope. The scope of the product under consideration shall continue to remain the same i.e. Viscose Filament Yarn.

It would be seen that the Designated Authority has not held that yarn for embroidery applications is not a type of Viscose Filament Yarn. In fact, the Designated Authority has agreed that yarn for embroidery applications is a type of Viscose Filament Yarn. Product under consideration being Viscose Filament Yarn, it is evident that yarn for embroidery applications should be within the scope of product under consideration and proposed measures. However, the Designated Authority excluded yarn for embroidery applications from the scope of proposed measures on the grounds that the yarn for embroidery applications was not offered by the domestic industry. The Designated Authority therefore did not agree on granting protection to the domestic industry for the simple reason that when the domestic industry does not supply that type of yarn in the market, it does not require any protection against dumping, dumping causing injury being the fundamental requirement for imposition of anti dumping duties. The rationale of the Designated Authority was therefore based on need for protection and not on the grounds

that the Embroidery Yarn and VFY are dislike articles. Subsequent to the original investigation period, the domestic industry has started offering yarn for embroidery applications. Invoices of yarn for embroidery applications sold by constituents of domestic industry were enclosed with the petition on confidential basis. A statement showing sales of Embroidery Yarn over current injury period, which was provided earlier also, is enclosed with these submissions. It would be seen that not only that the domestic industry is offering VFY for embroidery applications, but also that the domestic industry is suffering injury on such sales. Since the domestic industry is now offering yarn for embroidery applications, the applicants submit that the Designated Authority may now hold that imports of yarn for embroidery applications should also be subject to anti dumping duties.

For the sake of clarification, it is stated that Embroidery Yarn is nothing but VFY for embroidery application.

6.2 Comparison of yarn for embroidery applications and viscose filament yarn

i) Physical and technical properties –

Different types of VFY are produced from the same production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. There is a great amount of substitutability between different types of VFY. Even though the product has been grouped in types according to technology (CSY/PSY), denier, luster, color, twisting, doubling, these specific characteristics merely differentiate various types of VFY. However, different types contains the same basic characteristics of VFY.

Viscose filament yarn has vast applications. Various variants of VFY are produced and sold, which includes twisted yarn, double twisted yarn, dyed yarn, dope dyed yarn, flat yarn, microfilament micro yarn, double multiply yarn, embroidery yarn, fur yarn, engineered yarn. Value addition does not result in significant change in the product properties. Essential product properties remain the same as that of simple viscose filament yarn.

Physical and chemical properties of VFY and VFY for Embroidery Yarn are the same.

ii) Manufacturing process:

The process of manufacturing of Viscose Filament Yarn for embroidery application, in terms of a flow chart has been enclosed.

6.3 Production technology, manufacturing process, plant & machinery:

Production of yarn for embroidery applications does not require any special plant and machinery which is not available with the domestic industry. As stated before, the domestic industry has already been producing doubled yarn, twisted yarn and dyed yarn. Thus the domestic industry is already in possession of production technology, plant & machinery and is aware of the

manufacturing process involved in production of "doubled, twisted and dyed yarn". Further, production of VFY for Embroidery Yarn requires only incremental production activities after production of VFY. Basic production technology, process and P&M are however in production of VFY.

i) **Pricing:**

Pricing of yarn for embroidery applications is directly linked/dependent on pricing of Viscose Filament Yarn. When Viscose Filament Yarn price go up, yarn for embroidery applications prices also go up. When Viscose Filament Yarn price decline, yarn for embroidery applications prices also decline. It is relevant to note in this regard that mere difference in prices does not mean that the two products are different products. We refer to and rely upon significant price difference that exists in (a) Nylon Filament Yarn of different deniers, (b) ball bearings of different diameters, (c) polyester film of different micron meant for different applications, (d) BOPP film meant for different applications where price difference between different types can be 1:10. It is also be useful to refer to inclusion of metallised polyester and BOPP film within the scope of investigation by the Authority in the matter of polyester film and BOPP film where metallisation is normally carried out by outside parties and the price difference between metallised and plain film can be up to more than 50%. Petitioners, by way of illustration, wishes to point out difference in the price of a gold ring and a gold ring with a diamond. The price difference can be 1:1000. However, it cannot be said that they are dislike article. Mere price difference in two types is a matter of comparison. This could not have been done at the time of original investigations for the reason that the domestic industry was not offering VFY for Embroidery Yarn. However, since the domestic industry is now offering VFY for Embroidery Yarn, the Authority can do price comparison on apple to apple basis.

ii) **Functions and usage –**

Functions and usage of yarn for embroidery applications and Viscose Filament Yarn are the same. Only the end application varies. As noted by the Designated Authority in the final findings, primary use of VFY is in textiles for clothing. Viscose Filament Yarn as also yarn for embroidery applications perform the same function. Petitioners submit that it would be misleading to state that functions & uses of VFY and VFY for Embroidery Yarn are different. The difference is only in end applications. However, difference in end applications cannot render the two products as different products. This can easily be established by an illustration showing differences in end applications of various types of petfilm which were considered one like product by Designated Authority in India, EC, US, South Africa, etc.

iii) In view of the above, petitioner submits that

- a. VFY for Embroidery applications is required to be included within the purview of anti dumping duties;
- b. Chinese producers have intensified dumping;

- c. Since claim of market economy status is not based on any new grounds, the Chinese producers are not entitled for market economy status.
- d. Export price must be verified from customs data;
- e. Advance License imports must be investigated;
- f. The domestic industry is once again suffering injury;
- g. The present anti dumping duties are required to be revised upwards;
- h. The anti dumping duties are required to be given separately for different types of the product under consideration;
- i. The Designated Authority may consider interim duty recommendations, revising the benchmark upwards, pending detailed investigations. Alternatively, the Designated Authority may consider early final findings, if interim duties cannot be considered

7. Exporters Submissions:

7.1 M/s Yibin Hiest Fibre Limited Corporation has represented as follows:

- i) The contention of the Domestic Industry that embroidered yarn can be brought within the scope of the product under consideration can be upheld only if it is proved that embroidered yarn is a like product of VFY. As submitted herein above, the Hon'ble Designated Authority in final findings dated 6th April, 2006 has categorically held that no such like product is offered by the Domestic Industry. Further, VFY and Embroidered Yarn are not interchangeable and are not substitutable with each other. Therefore, the contentions of Domestic Industry fall on this short ground only.
- ii) Embroidered yarn is manufactured by twisting, doubling and dyeing Viscose Filament Yarn. Admittedly, the Domestic Industry had been performing the three functions of twisting, doubling and dyeing yarn separately and not together so as to manufacture embroidered yarn.
- iii) The only ground stated on behalf of the Domestic Industry/Applicant for inclusion of embroidered yarn within the scope of product under consideration has been that the Domestic Industry/Applicant had now begun to offer embroidered to its customers. However, the Applicant has failed to prove that it constitutes the Domestic Industry under the Anti-Dumping Rules and has locus standi to file the present application for inclusion of embroidered yarn within the scope of anti-dumping duty. Further, the petition filed on behalf of the present Domestic Industry has not been supported by other manufacturers of embroidered yarn in the Indian market.

- iv) Admittedly supply of embroidered yarn by the Domestic Industry has not been consistent even when the demand in the Indian market has been on constant rise. Thus, the Domestic Industry has not been able to meet the demand of the market thereby necessitating imports from China.
- a) Depreciation of USD: As a matter of fact the US Dollar has appreciated significantly against the Indian Rupee in the last 6 months. In view of the present global economic meltdown, the USD is not expected to depreciate against Rupee in the near future. A graphic representation of value of USD against Rupee has been submitted.
- b) Imports of finer denier yarn: Hiest has not exported commercial quantity of finer denier yarn during the Period of Investigation. Hiest verily believes that only one of the Chinese exporters exported commercial quantity of finer denier during the POI. Even the Domestic Industry has not supported its averment by any documentary proof/data..
- c) Separate benchmark for different denier : Without prejudice to our stand, it is submitted that in case the Hon'ble Designated Authority comes to the conclusion that anti-dumping duty should be continued to be imposed on imports of the subject goods from China PR, Hiest would prefer different duty for different denier.
- d) Increase in cost of Production: The cost of raw material did increase for an insignificant period around the time of filing of the petition for initiation of Mid-Term Review. However, subsequently, the price of raw material have internationally decreased to the where it was at the time of final findings i.e. around April, 2006. For example, the price of wood pulp was about US\$ 700 per MT in April, 2007 which equivalent to its price at the time when the Hon'ble DA recommended imposition of anti-dumping duty vide its final findings dated 4th April, 2006. In support of the same, charts have been submitted.

7.2 M/s. HMEI Thread Co. Ltd. has represented as follows:

The case that has been made out by the applicants is as under which is extracted in their own language.

- a) The Designated Authority has not recommended anti-dumping duty on imports of VFY for Embroidery applicants on the grounds that the Domestic Industry was not producing and selling VFY for Embroidery application (Ref. to (e) on page 3 of written submissions of Domestic Industry).
- b) The Designated Authority, therefore, did not agree on granting protection to the Domestic Industry for the simple reason that when the Domestic Industry does not supply that type of yarn in the market, it does not require any protection against dumping, dumping causing

injury being the fundamental requirement for imposition of anti-dumping duties.

- c) Subsequent to the original investigation period, the Domestic Industry has started offering Yarn for embroidery applications.
- d) If an additional production step is required for the production of certain type of product, resulting in higher cost of production and sales price, the same is not an element which could per se justify exclusion of certain type of product from the product scope of duties.
- e) It may also be noted that the plant and machinery used for such processing does not require huge investment and is in fact being already carried out by persons in the unorganized sector in the country.
- f) This could not have been done at the time of original investigations for the reason that the Domestic Industry was not offering VFY for Embroidery Yarn.
- g) The difference is only in end applications.

7.3 M/s. Minxiang Chemical Fiber Co. Ltd. China PR has represented as follows:

- a) A review, by definition, implies review of the duties already in force. If no duties have been imposed on a particular product, they shall not be included within the scope of a review. In this case, DGAD had clearly 'excluded' embroidery yarn from the scope of the anti-dumping duties. Such excluded products shall not be brought within the scope of duties in a review.
- b) At the time of original investigation, DGAD excluded 'embroidery' yarn on the ground that the domestic industry was not offering them. In this review application, domestic industry has started that they have since started offering embroidery yarn and hence duty shall be imposed on them.
- c) If the domestic producers of VFY have started manufacturing embroidery yarn now, it is incumbent upon them to state who the other manufacturers of embroidery yarn are and whether the applications have the standing to represent all the manufacturers of embroidery yarn in India. Let us assume that the applicants were manufacturing embroidery yarn at the time of original investigation itself. At that time, they would have been asked to present details of other manufacturers of embroidery yarn in India to establish their standing. Such a requirement cannot be side stepped merely because it is a review. If the applicants have now started manufacturing embroidery yarn and they want anti-dumping duty to be imposed on it, it they should come out with full details about all the producers of embroidery yarn in India. If not, the application shall be rejected out rightly.

7.4 Small Scale producers/ Users

M/s. Salem District Art Silk Merchants' Association has represented as follows:

- a) We are agreeable with the domestic filament yarn industry. In considering, inclusion of viscose embroidery yarn under the purview of anti-dumping duty.
- b) It is obvious that imports of viscose embroidery thread both in the semi-finished and the finished form have increased considerably during the POI and Post-POI period.
- c) On the one hand scarcity of VFY in the domestic scene (in view of closure of two units) has proved advantageous for the existing domestic yarn producers to increase their prices, both during the POI/Post-POI period.
- d) On the other hand the already existing anti-dumping duty for imports from China and the proposed review thereafter is making imports expensive and is burdening the user industry.
- e) To add fuel to the fire the imports of viscose embroidery thread both in the semi-finished/finished form is virtually squeezing the user industry margins into negative territory.
- f) A number of user industry units in the Salem, Delhi and Surat Regions have shut shop in view of this precarious situation.
- g) Therefore, there are no two opinions about the view point that the viscose embroidery thread imports from China in the semi-finished/finished form have both to be taken up for consideration of being brought under the purview of anti-dumping since they are affecting the "S M E S" in the un-organized sector.
- h) The Association have provided data about increase in quantum of imports in embroidery thread from 100MT (2005-06) to 3600 MT in 2007-08. They have also provided copy of petitions signed by approx. thousand house hold units wherein around 50 thousand workers/ family members are employed. They have claimed that over 5 lakh people employed in this industry spread across the country are being affected by the Chinese dumping of Embroidery thread.

8. Submissions by the Interested Parties subsequent to Disclosure statement

8.1 Domestic Industry

The Domestic industry does not agree that inclusion of embroidery yarn tantamount to extension of product scope. Exclusion of this yarn would leave

the Indian producers with no option but to suffer continuous injury in this segment.

8.2 M/s Yibin Hiest Fibre Limited Corporation, China PR

The applicant has failed to establish that it constitutes Domestic Industry under the Anti-dumping laws. The locus standi for the present application for inclusion of embroidery yarn within the scope of antidumping duty. Further, the petition filed on behalf of the present domestic industry has not been supported by other manufacturers of embroidery yarn in the Indian market. VFY and embroidery yarn are not interchangeable and are not substitutable with each other.

8.3 M/s. HMEI Thread Co. Ltd, China PR

Since the embroidery yarn has been excluded from the purview of the product under consideration, it does not have any comments to offer on the disclosure statement.

8.4 M/s. Xinxiang Chemical Fibre Co. Ltd, China PR

No comments as their arguments to exclude embroidery yarn have been accepted.

9. Examination by the Authority

The issue has been examined in the light of submissions made by different interested parties. The embroidery yarn was in the scope of original investigation in the defined product under consideration. However, it was specifically excluded as no like article has been offered by the domestic industry during the injury period. As per recommendations of the Final Findings, the embroidery yarns along with other specialised yarns were specifically excluded and no duty was recommended on the same. The submissions of the Domestic Industry that the embroidery yarn is next stage of VFY and involves only twisting and doubling only may be correct. However, as the type embroidery yarn was specifically excluded from the purview of Product under consideration (PUC) in the Original Investigation, the Authority confirms not to include the embroidery yarn as the PUC and restricts the PUC as finally defined in the Final Findings dated 4th April, 2006 in this regard.

10. Standing and scope of the Domestic Industry

In the original investigations, Association of Man-Made Fibre Industry of India (AMFII), had filed the petition before the Designated Authority. In the present investigation also Association of Man-Made Fibre Industry of India (AMFII) has filed the petition. The petitioner constitutes domestic industry within the

meaning of the Anti Dumping Rules. The investigation has not shown any fact to the contrary to what has been claimed and established by the petitioner. Having regard to the Rules and information on record, the Authority therefore holds that Association of Man-Made Fibre Industry of India (AMFII) constitutes domestic industry for the purpose of the present investigations within the meaning of the Rules.

11. Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Submissions made by the Interested Parties subsequent to Disclosure Statement

11.1 Domestic Industry

- a) It has been submitted that the bench mark may be recommended for each denier of the product under consideration.
- b) The form of benchmark duty should be in combination of US \$ and INR. The duty should be in terms of US\$ when the exchange rate exceeds average of the POI. The duty should be in INR when the exchange rate falls below average of the POI. This is in line with the rationality involved in the decision of the CESTAT in the matter of Metcoke from China.

11.2 M/s Yibin Hiest Fibre Limited Corporation, China PR

The Authority has wrongly and arbitrarily rejected the market economy treatment of Hiest. There is no dumping as alleged, in fact the subject goods are sold at market driven prices consistent with the range of export prices prevailing in the Asia Pacific region. No dumping is alleged and Hiest has always exported VFY to India at or above Normal Value for profits and at a price much higher than their own domestic cost of production. Further, without prejudice to the contention that there is no dumping by Hiest, it is stated that the net export price for 150 denier has been taken incorrectly and not as per the submissions made.

11.3 M/s. Xinxiang Chemical Fiber Co. Ltd. China PR

The weighted average export price of the total quantities exported, as compared to the reference price fixed during the original investigation, was 21% higher in the review POI. In light of the above, the likelihood of recurrence of dumping or injury does not arise. It is understood that the Authority has calculated the Normal value and NIP based on the technology used for manufacturing the product concerned. The product manufactured by using two different technologies are (i) alike in all respects; (ii) used interchangeably; and (iii) compete in the same segment in the market. Also products manufactured from both the technologies have no distinct or special uses and characteristics in which case they cannot be differentiated based on the technology used for manufacturing and consequently determination of different normal values and NIP is unwarranted legally unsustainable.

Examination by the authority

- 11.4** The authority notes that the Domestic industry has argued that there is significant shift in imports from coarser denier to finer denier. Further, the Domestic industry also argued in its petition that there is a significant difference in the prices of different deniers and therefore the Authority should consider denier to denier comparison. None of the opposing interested parties have raised any objection in this regard. The principles of fair comparison require that the Authority compares the normal value with export price for comparable product types. Having regard to the objective of the present midterm review, arguments of the interested parties and legal provisions, the Authority considers it appropriate to compare normal value and export price separately for each denier.

12. Examination of Response to Market Economy Treatment Questionnaire by the Authority

- (i) The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules for the purpose of assessing the normal value proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.
- (ii) As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former

- non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- (iii) The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. M/s Yibin Hiest Fibre Ltd corporation, M/s HMEI Thread Co. Ltd of Yibin Sinhuan and M/s Xinxiang Chemical Fibre Co Ltd have responded to the Exporter's questionnaire. M/s Yibin Heist Fibre Ltd corporation and M/s HMEI Thread Co. Ltd of Yibin Sinhuan have responded to the Market Economy Treatment (MET) also. M/s Xinxiang Chemical Fibre Co Ltd have not responded to the Market Economy Treatment (MET) questionnaire and have submitted information in respect of export price only.
- (iv) The Authority has examined the MET Questionnaire submitted by M/s Yibin Hiest Fibre Ltd Corporation. It was submitted by the Company that ***% of the shares are held by M/s. Grace and M/s. Grace Group Companies which are State Owned Enterprises (SOE). M/s. Grace Group Companies have ***% shares held by the State Owned Enterprises namely M/s. Yibin State Owned Asset Management Company Ltd. (***%) & M/s. Sichuan Province Investment Group Company Ltd. (***%). This Group and other SOEs in turn hold ***% shares in M/s. Grace. In view of the above, the interference of the State in the management and day to day affairs of the Company M/s Yibin Heist Fibre Ltd Corporation cannot be ruled out.
- (v) The Authority has examined the MET Questionnaire submitted by M/s. HMEI Thread Company Ltd. This Company purchases the raw material of VFY from Hiest Company (majority controlled by SOEs) on a long term contract. Both these companies have one common share holder M/s. Xinya. It has been submitted that since purchase quantities are large, the price of VFY for HMEI is better. As per information provided in respect of the personnels working in HMEI, almost all are the employees of M/s. Grace and M/s. Grace Group Companies. This company is only selling embroidery yarn. As per information provided in respect of procurement of raw material, personnel managing the plant and the plant itself (land use right and the building) is leased from Grace Group Company Ltd., the common Management running this Company also cannot be ruled out. The influence of M/s. Grace Group Company Ltd. on M/s. HMEI is as admitted from the questionnaire response. As M/s. Grace and Grace Group Company Ltd. are primarily SOEs, the interference of the State in the management and day-to-day affairs cannot be ruled out.

- (iv) M/s Xin xiang Chemical Fibre Co Ltd. has not provided any response to the MET questionnaire and have so claimed the Non-Market Economy treatment.
- (v) In view of the above, the Authority is unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 of AD Rules for determination of normal value for the Chinese exporters. Therefore, the normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per facts relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.
- (vi) As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of price or constructible value in the market economy third country or the price from such third country to other countries, including India, or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.
- (vii) No data or information was available from the domestic industry about normal value in market economy third country. The domestic industry has, however provided the price paid or payable of the product under consideration in India during the POI denier which the Authority, therefore, in absence of any other option, has determined the normal value based on price actually paid or payable in India for the like product. Wherever the domestic industry has profitable sales, the same have been adopted. However, if the selling price of the domestic industry is below cost of production, cost of production, duly adjusted, has been adopted for determination of normal value, after addition for selling, general & administrative cost and profits. The normal value has been determined at ex-factory level.

13. Export Price

The export price has been determined on the basis of the information provided by the respective exporters. The Authority records that during the original investigation, all claims of the responding exporters with regard to the export price and adjustments to the export price were not agreed in all cases. Some of the export transactions were rejected in the absence of substantiation by the exporters during the verification. The Authority, however, has relied upon the submissions made by the exporters in respect of the export price and the adjustments claimed hereof. The Authority proposes to allow price adjustments claimed by the respective exporters. It is, however, seen that Hiest has shown a differential in the range of ***\$ per lb. between Net export price and CIF value in different deniers whereas M/s Xinxiang has shown a differential in the range of ***\$ per lb. between Net export price and CIF value in different deniers. The claims of M/s Xinxiang are on lower side as compared to that of M/s Hiest. As both the exporters are from the same country, the level differential

claimed by M/s Xinxiang has been adjusted based on M/s Yibin Hiest data.

14. Dumping Margin

14.1 Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

| YIBIN HIEST | 100 Dnr | 120 Dnr | 150 Dnr | Total |
|-----------------------|---------|---------|---------|-------|
| Normal Value-US\$ | *** | *** | *** | *** |
| Net Export price-US\$ | *** | *** | *** | *** |
| Dumping margin US\$ | *** | *** | *** | *** |
| Dumping Margin % | *** | *** | *** | 4.42 |

14.2 M/S HMEI has exported only Embroidery yarn, which being out of the purview of the product under consideration; no dumping margin has been calculated on the same.

14.3 M/s Xinxiang has exported from 30 denier to 150 denier during the POI. Dumping margin there in are as per the table below.

| Denier | 100 | 120 | 150 | 30 | 40 | 50 | 60 | 75 | Total |
|-----------------------|-----|-----|-----|-------|-------|-----|-------|-----|-------|
| Normal value-US\$ | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Net Export price-US\$ | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| DM-US\$ | *** | *** | *** | (***) | (***) | *** | (***) | *** | *** |
| DM% | *** | *** | *** | (***) | (***) | *** | (***) | *** | 12.02 |

14.4 Other exporters from China

Export price for non cooperative exporters has been determined on the basis of transactions of imports during the POI based on the information made available by domestic industry. Separate export price has been determined for different deniers. The CIF export price has been adjusted for expenses claimed by the domestic industry to arrive at ex factory export price. Comparison of the export price with normal value shows following dumping margin in respect of other non-cooperating exporters.

| Denier | 30 | 40 | 50 | 75 | 100 | 120 | 150 | Total |
|-----------------------|-------|-------|-------|-----|-----|-----|-----|-------|
| Normal value-US\$ | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| Net Export price-US\$ | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** | *** |
| DM-US\$ | (***) | (***) | (***) | *** | *** | *** | *** | *** |
| DM% | (***) | (***) | (***) | *** | *** | *** | *** | 19.14 |

15. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

INJURY DETERMINATION

- 15.1 The Authority notes that for mid term review, the relevant provisions of Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act and Rule 23, which provides as follows -

"The anti-dumping duty imposed under this section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:

Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension."

Rule 23. Review. - (1) The designated authority shall, from time to time, review the need for the continued imposition of the anti-dumping duty and shall, if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty recommend to the Central Government for its withdrawal.

- (2) Any review initiated under sub-rule (1) shall be concluded within a period not exceeding twelve months from the date of initiation of such review.
- (3) The provisions of rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall be *mutatis mutandis* applicable in the case of review.

- 15.2 Rule 23 of the Anti-dumping Rules provide for procedure for conducting interim reviews. For conducting the review, the provisions of Rule 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 have been made applicable. The Authority notes that as per Rules, present state of injury and thereafter likelihood is to be assessed in such reviews.

- 15.3 In this regard, the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

Import volumes and share of the subject country:

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--------------------------------|----------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| Market share in Imports | | | | | |
| China PR | MT | 2,816 | 4,627 | 2,782 | 3,401 |
| Other Countries | MT | 656 | 1,647 | 610 | 600 |
| Total Imports | MT | 3,472 | 6,275 | 3,392 | 4,001 |
| Trend | Indexed | 100 | 181 | 98 | 115 |
| Market share in Imports | | | | | |
| China PR | % | 81.11 | 73.74 | 82.01 | 85.00 |
| Other Countries | % | 18.89 | 26.26 | 17.99 | 15.00 |

The data provided by the responding exporters have been analyzed with regard to volume of dumped imports. The position is as follows –

| Name of the Company | Exports during POI(MT) |
|---------------------|------------------------|
| Yibin Hiest | *** |
| Xinxiang | *** |

It is noted from the above that even when these companies are claimed to be the largest producers/exporters from China, the volume of exports reported by these companies are substantially lower than volume of imports reported in India.

15.6. TIPS Software Statistics has provided transaction-wise data on imports; the same has been relied on for analysis in this finding. The data shows that imports from subject countries have increased in POI. The total imports rose from 3401 MT to 4001 MT. The share in imports of subject country has increased from 81.11% in 2004-05 to 85% in POI. There was a significant increase in imports from China in absolute terms as also in share of imports. The current level of imports is in spite of the existing anti dumping duties. It is noted that the present investigation is a review investigation and the anti dumping duties were recommended and imposed sometime back. The domestic industry argued that the volume of imports would have in normal circumstances declined. However, due to benchmark form of duty and increase in the input prices, since the prices of the product have increased, the imports continued to be made at dumped and injurious prices.

15.7 The Authority has determined demand for the product under consideration by considering sales of the Indian Producers and known imports in India.

Demand, Production and Market Shares

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Demand | MT. | 37,671 | 42,950 | 36,319 | 37,623 |
| Trend | Indexed | 100 | 114 | 96 | 100 |
| Domestic Industry | MT. | 32,623 | 33,537 | 29,374 | 30,377 |

| | | | | | |
|-------------------------------|-----|-------|-------|-------|-------|
| Sale of other producers | MT. | 1,576 | 3,138 | 3,553 | 3,245 |
| Imports – subject country | MT. | 2,816 | 4,627 | 2,782 | 3,401 |
| Imports – other countries | MT | 656 | 1,647 | 610 | 600 |
| Market Share in demand | | | | | |
| Domestic Industry | % | 86.60 | 78.08 | 80.88 | 80.74 |
| Sale of other producers | % | 4.18 | 7.31 | 9.78 | 8.63 |
| Imports – subject country | % | 7.48 | 10.77 | 7.66 | 9.04 |
| Imports – other countries | % | 1.74 | 3.84 | 1.68 | 1.60 |

15.8 The above data indicate that demand remained almost same in POI as compared to base year. During the same period, the market share of domestic industry declined from 86.60% to 80.74%. However, it is noted that the share of imports from subject country has increased from 7.48% in base year to 9.04% in the POI. It is thus noted that the demand of the subject goods has stagnated over the years excluding in the year 2005-06 where it has gone up. Further, whereas the market share of the dumped imports from China increased in spite of imposition of anti dumping duties that of domestic industry has declined.

15.9 Capacity, Capacity Utilization and Production of the Domestic Industry

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|---|---------|---------|---------|---------|---------|
| Capacity | MT | 57,100 | 57,500 | 57,500 | 57,500 |
| Trends | Indexed | 100 | 101 | 101 | 101 |
| Production | MT | 53,581 | 53,130 | 54,020 | 51,107 |
| Trend | Indexed | 100 | 99 | 101 | 95 |
| Capacity Utilization | % | 93.84 | 92.40 | 93.95 | 88.88 |
| Trend | Indexed | 100 | 98 | 100 | 95 |
| Production of product under consideration | MT | 32,051 | 33,120 | 32,225 | 30,559 |
| Trend | Indexed | 100 | 103 | 101 | 95 |

Note:- Capacity and capacity utilization is for all the deniers produced by the domestic industry.

The above data are with regards to total production and capacity of domestic industry. Since there is no separate capacity available for subject goods (up to 150 Dnr.) the same has been examined as regards production and capacity utilization. The data shows that the domestic industry was able to maintain its capacity utilization till 2006-07. However, capacity utilization declined by 5% in POI.

15.10 The production of the subject goods increased in 2006-07 but declined by 5% in POI as compared to base year. The decline in production and capacity utilization is because of dumped imports at dumped and injurious price.

15.11 Sales of Domestic Industry

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-----------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Domestic sales | MT | 32,623 | 33,537 | 29,374 | 30,377 |
| Trend | Indexed | 100 | 103 | 90 | 93 |
| Sales - Exports | MT | 1,444 | 777 | 1,856 | 2,101 |
| Trend | Indexed | 100 | 54 | 129 | 146 |

The above data shows that domestic sale of the domestic industry have declined by 7% in POI as compared to base year. The decline in sales is more than decline in production.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

15.12 The impact on the prices of the domestic industry on account of imports from the subject country have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the denier wise cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with denier wise landed value of imports from the subject country.

15.13 A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted.

15.14 The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI.

15.15 It is found that (a) landed price of imports are significantly below the selling price of the domestic industry, thus resulting in price undercutting; (b) the selling price of the domestic industry are substantially below the non-injurious price of the domestic industry, thus resulting in price underselling, (c) whereas cost of production increased over the injury period, the selling prices did not increase in the same proportion. The imports were therefore suppressing the prices of the domestic industry in the market.

15.16 Examination of other Injury Parameters

After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the

domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

15.17 Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|--------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| Profitability | | | | | |
| Cost of sales | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 103 | 115 | 128 |
| Selling Price | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 100 | 110 | 112 |
| Profit/ Loss | Rs./KG | *** | *** | *** | (***) |
| Trend | Indexed | 100 | 53 | 38 | (107) |
| Profit/Loss (PBIT) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | (***) |
| Trend | Indexed | 100 | 62 | 48 | (59) |
| Cash Profit | Rs. Lacs | *** | *** | *** | (***) |
| Trend | Indexed | 100 | 68 | 53 | (53) |

The profitability on the domestic sales of the domestic industry has been analyzed from the records of the domestic industry.

15.18 The data shows that the cost of sales increased by 28% where as selling price increased only by 12% POI as compared to base year. As a result, profit per KG declined significantly in POI as compared to base year.

15.19 The profit (PBIT) declined significantly in POI as compared to base year. Domestic industry was in losses in POI. PBIT declined by 141% in POI as compared to base year.

15.20 In order to analyze the impact of dumped imports on cash flow, the Authority has considered the trends in cash profits. The cash profit has been determined by addition of amount of depreciation to the profit (profit before tax). The trend shows the same trend of PBIT. Cash profit declined by 153% in POI as compared to base year.

15.21 Employment and Wages

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-----------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Employees | Nos. | 9,537 | 8,518 | 8,517 | 8,171 |
| Trend | Indexed | 100 | 89 | 89 | 86 |
| Wages paid per unit of production | Rs./KG | 31.26 | 29.63 | 38.58 | 38.17 |
| Trend | Indexed | 100 | 95 | 123 | 122 |

Number of employees actually declined to 86 (indexed) as compared to 100 in the base year. This industry being a labour intensive industry, decline in number of employees is significant deterioration for the domestic industry. Wages per unit of cost of production increased by 22% in POI as compared to base year.

15.22 Productivity

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Production | MT | 32,051 | 33,120 | 32,225 | 30,559 |
| Trend | Indexed | 100 | 103 | 101 | 95 |
| Productivity per employee | MT | 5.62 | 6.24 | 6.34 | 6.25 |
| Trend | Indexed | 100 | 111 | 113 | 111 |

The data shows that productivity calculated as production (up to 150 denier only) per employee has improved by 11% in POI as compared to base year but declined as compared to 2006-07.

15.23 Inventories

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|---------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| Average inventories | MT | 5,009 | 3,405 | 3,292 | 2,776 |
| Trend | Indexed | 100 | 68 | 66 | 55 |

The data on inventory shows that average inventory has declined by 45% in POI as compared to base year.

15.24 Return on Investment and Ability to Raise Capital

| Particulars | Unit | 2004-05 | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08 |
|-----------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| NFA | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| Working Capital | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |

| Capital Employed- NFA Basis (Total) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
|-------------------------------------|----------|-----|-----|-----|-------|
| Trend | Indexed | 100 | 104 | 104 | 107 |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | (***) |
| Trend | Indexed | 100 | 60 | 46 | (55) |

The return on capital employed deteriorated steeply over the injury period and was negative in POI. In indexed form, the return on capital employed declined by 145% over the injury period. Domestic industry, which was earning positive return in the base year suffered negative return in POI.

15.25 Factors affecting prices

Evaluation of export prices from subject country shows that the prices in POI increased in POI from the base year. The landed value of the subject goods increased from base year to POI.

15.26 Growth

The production, domestic sales, capacity utilization, ROI, PBIT, cash profit, shows negative growth. Inventory, productivity of the domestic industry shows positive growth.

15.27 Others known factors

a) Volume and prices of imports from other sources

It is seen that Imports from countries not attracting duties declined from 656 MT in the base year to 237 MT in POI. The share of imports from other countries declined from 18.89% in the base year to 6.51% in POI. The imports from other countries not attracting duty where the imports have actually declined do not appear to be a factor affecting the performance of the domestic industry.

b) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

Demand of the product under consideration has declined by only 1% during POI as compared to base year. Contraction in demand, therefore, is not a possible reason, which could be affecting the performance of the domestic industry.

c) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. This factor could not be reason affecting the performance of the domestic industry.

d) **Development of technology and export performance**

Technology for production of the product is same for domestic industry and as used by the producers in the subject countries. Development in technology is not a factor which could affect the performance of the domestic industry.

The domestic industry has some export activities. The export sales have increased in POI as compared to base year. However, for determination of injury only domestic sales have been taken into consideration. The export performance, therefore, cannot be considered a factor affecting the performance of the domestic industry.

15.28 Conclusion on injury

Imports of product under consideration increased over the current injury period in absolute terms. The increase in imports was inspite of existing anti dumping duties and appears to be because of increase in the costs leading to increase in the import prices and consequently benchmark becoming less effective in ensuring imports at undumped /non injurious prices. Imports increased significantly in relation to production and consumption in India. With regard to price effect, it is noted that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and were preventing price increases that would have otherwise occurred in the absence of imports. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, capacity utilization, market share, sales volumes, selling price, profits, cash profit and return on investments. Imports were suppressing domestic prices. The Authority, therefore, concludes that the domestic industry has suffered continued material injury.

16 CAUSAL LINK

16.1 Likelihood of continuation or recurrence of injury

The present investigation is a review investigation and the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this case, though declining, as there are continued dumped imports, the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. Though in a declining trend, the exporters and producers from the subject country are exporting subject goods to India for the past several years. The current dumping margin is very significant. In the previously concluded investigation also dumping margin was significant. In such a situation, there is no reason to believe that the dumping will not intensify with the revocation of duty. Although from the data in the preceding paragraphs, it is evident that the volume of imports from the subject country has reduced much as compared to the base year. Considering the huge production of the subject goods in China and their export orientation and the increasing demand for the subject goods in India, in all likelihood any reduction or revocation of the anti-

dumping duty may lead to spurt in the dumped imports injuring the domestic industries.

16.2 Likelihood of Dumping

To examine the likelihood of dumping in a Mid-term review investigation, the Authority applies the same methodology and the procedure as are applied in original investigations. The dumping margin is also recalculated for the updated period.

16.3 Level of current and past dumping margin

Considering the dumping margin determined by the Authority in the previous investigation and the dumping margin now assessed, it is quite evident that the exports were continued to be made at dumping prices and is likely to continue with revocation of anti dumping duties. Further, the volume of imports is likely to increase further in the event of revocation of anti dumping duties, given the significant price undercutting during the injury period.

16.4 Price attractiveness of Indian market

The price at which material is being exported by China to India is also an indicator of the continuation of dumping. At the landed price there is significant undercutting. Thus, with the revocation of anti dumping duties, the Indian prices would be too attractive to the Chinese Producers and there is strong likelihood that Indian Consumers would import substantially due to increasing demand.

16.5 Export orientation of China

The Authority has procured exports data from the World Trade Atlas in respect of China's exports to world. It is observed from the data that China has exported more than 29000 MT of subject goods during POI to world over. The exports to world over have been 23954 MT in 2005, 28434 MT in 2006 and 29163 MT in 2007. This shows an increase of 18.7% in 2006 over 2005 and 2.56% in 2007 over 2006. The export price has shown a decline of approx 5% in POI over 2005 (from \$5.91 per kg to \$5.63 per kg in POI). In this scenario if anti dumping duty on the subject goods are revoked, India will be an attractive destination for the subject goods from China.

Increase in the volume of dumped imports has resulted in significant decline in the market share of domestic industry. Consequently, sales, production and capacity utilization of the domestic industry has declined. It is further seen that decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from subject countries prevented the domestic industry from increasing their sales. Significant price undercutting caused by dumped imports prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in costs. While cost of production increased due to increase in the input prices, the selling prices could not increase proportionately due to presence of dumped imports in the market at low price. Resultantly, profit, cash flow and return on investment of the domestic industry deteriorated in the POI. Significant price-undercutting adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment.

The Authority, therefore, concludes that the dumped imports originating in China have continued to cause material injury to the domestic industry within the meaning of the rules.

17 FINAL FINDINGS:

Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China is substantial and above de-minimis. The product continued to be exported to India at dumped prices.
- ii) The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- iii) The situation of domestic industry deteriorated further in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- iv) The deterioration in the performance of the domestic industry is because of dumped imports from China.

18 Indian industry's interest and other issues

18.1 The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practice, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

18.2 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

19 Recommendations

19.1 Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China, if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended in respect of imports from China. For the purpose of determining injury, the landed value of imports (denier wise) is compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation. The Authority considers it appropriate to recommend separate benchmark for different deniers of the product under consideration, having regard to the objective of the present midterm review, arguments of the interested parties and legal provisions in this regard.

19.2 Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and the landed value is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Duty Table

| S. No. | Sub-heading or tariff item | Description of goods | Specification (denier) | Country of origin | Country of Export | Producer | Exporter | Reference Price | Unit of measurement | Currency |
|--------|----------------------------|-----------------------|------------------------|-------------------|-------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|-----------------|---------------------|-----------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) |
| 1. | 5403 | Viscose Filament yarn | 30 | China PR | China PR | Yibin Hiest Fibre Limited Corporation | Yibin Hiest Fibre Limited Corporation | 10.10 | KG | US Dollar |
| | | | 40 | | | | | 9.68 | | |
| | | | 50 | | | | | 9.71 | | |
| | | | 60 | | | | | 8.08 | | |
| | | | 75 | | | | | 6.28 | | |
| | | | 100 | | | | | 4.72 | | |
| | | | 120 | | | | | 4.77 | | |
| | | | 150 | | | | | 4.74 | | |
| | | | Any other | | | | | 11.38 | | |
| | | | | | | | | | | |
| 2 | 5403 | Viscose Filament yarn | 30 | China PR | China PR | Xinxiang Chemical Fibre Co. Ltd. | Xinxiang Chemical Fibre Co. Ltd. | 10.10 | KG | US Dollar |
| | | | 40 | | | | | 9.68 | | |
| | | | 50 | | | | | 9.71 | | |
| | | | 60 | | | | | 8.08 | | |
| | | | 75 | | | | | 6.28 | | |
| | | | 100 | | | | | 6.07 | | |
| | | | 120 | | | | | 5.20 | | |
| | | | 150 | | | | | 5.61 | | |
| | | | Any other | | | | | 11.38 | | |
| | | | | | | | | | | |
| 3 | 5403 | Viscose Filament yarn | 30 | China PR | Any | Any combination of producer | Any combination of producer | 11.28 | KG | US Dollar |
| | | | 40 | | | | | 10.88 | | |
| | | | 50 | | | | | 9.71 | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|------|-----------------------------|--------------|-----|-------------|---|---|-------|----|--------------|
| | | | 60 | | | & exporter other than at S. No. 1 and 2. | & exporter other than at S. No. 1 and 2. | 9.55 | | |
| | | | 75 | | | | | 6.28 | | |
| | | | 100 | | | | | 6.07 | | |
| | | | 120 | | | | | 5.20 | | |
| | | | 150 | | | | | 5.61 | | |
| | | | Any other | | | | | 11.38 | | |
| 4 | 5403 | Viscose Filament yarn | 30 | Any | China PR | Any | Any | 11.28 | KG | US Dollar |
| | | | | | | | | 10.88 | | |
| | | | | | | | | 9.71 | | |
| | | | 40 | | | | | 9.55 | | |
| | | | 50 | | | | | 6.28 | | |
| | | | 60 | | | | | 6.07 | | |
| | | | 75 | | | | | 5.20 | | |
| | | | 100 | | | | | 5.61 | | |
| | | | 120 | | | | | | | |
| | | | | | | | | 11.38 | | |
| | | | 150 | | | | | | | |
| | | | Any other | | | | | | | |

20. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
21. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority